



श्रीमद्-आद्यशङ्करभगवत्पाद-परम्परागत-मूलाम्नाय-  
सर्वज्ञपीठ-श्री-काञ्ची-कामकोटि-पीठं  
जगद्गुरु-शङ्कराचार्यस्वामि-श्रीमठसंस्थानम्

श्रीभङ्गा-मङ्गर-रुगवद्भक्त-भक्तभक्तभावलिः  
श्रीभङ्गा-मङ्गर-रुगवद्भक्त-भक्तभक्तभावलिः

1. श्रीगुरुवे नमः
2. मुद्गराय नमः
3. मेघमे नमः
4. मातृाय नमः
5. ऽयानिण्ये नमः
6. ऽतृाय नमः
7. डिडिब्वे नमः
8. ऽतृाय नमः
9. तृभुक्तम् नमः
10. मभाकिताय नमः

11. ढङ्गलाय नमः
12. षडगिङ्गाय नमः
13. म्मुण्णाय नमः
14. गिरगुणाय नमः
15. णापलाय नमः
16. ण्डुगमृष्टाय नमः
17. णरित्वुकेविणाय नमः
18. ण्डुगय नमः
19. मूडिभैलिभूय नमः
20. मिवाय नमः
21. मुद्रप्रेणकाय नमः
22. वमिने नमः
23. विम्वेसुराय नमः
24. भ्राष्टाय नमः
25. मभलूय नमः
26. भुलकुडे नमः
27. भीपिने नमः
28. भुत्तादिधिरुय नमः
29. भवैमाय नमः
30. भलादेवाय नमः
31. भलभल्लाय नमः
32. रुवाय नमः
33. रुम्माय नमः

34. ऋणाय नमः
35. भृगुणाय नमः
36. मन्त्राय नमः
37. रैमानाय नमः
38. रैश्वराय नमः
39. भक्तिसाय नमः
40. भृष्टिभुक्ते नमः
41. भृष्टाय नमः
42. भृष्टाय नमः
43. भृष्टाय नमः
44. भृष्टाय नमः
45. भृष्टाय नमः
46. भृष्टाय नमः
47. भृष्टाय नमः
48. भृष्टाय नमः
49. भृष्टाय नमः
50. भृष्टाय नमः
51. भृष्टाय नमः
52. भृष्टाय नमः
53. भृष्टाय नमः
54. भृष्टाय नमः
55. भृष्टाय नमः
56. भृष्टाय नमः

57. वीराय नमः
58. मुरुविरारिल्ल नमः
59. मुस्रुद्धैकृभृतिभते नमः
60. मीपलाय नमः
61. मीपलएङ्गभृय नमः
62. रुउङ्गने नमः
63. रुउकुते नमः
64. विरुवे नमः
65. मुल्लकुते नमः
66. मभरेट्टेगिने नमः
67. कलिरीउभृगिउय नमः
68. गुल्लामिने नमः
69. गुल्लगेकिने नमः
70. विपुल्लमिन्मकुते नमः
71. गुल्लाय नमः
72. गुल्लमयाय नमः
73. गुल्लाय नमः
74. रुगिणाय नमः
75. रुउकुते नमः
76. वृणाय नमः
77. रुरुङ्गुय नमः
78. रुउरुते नमः
79. रुरुल्ले नमः

80. रुड्रेमाय नमः
81. रुडुकावनाय नमः
82. रुद्राय नमः
83. रुद्राय नमः
84. रुवसिधर्मे नमः
85. रुद्रपुष्टाय नमः
86. पिनाकरुड्रे नमः
87. भङ्गलाङ्गने नमः
88. भण्डवाणे नमः
89. भिडाय नमः
90. भाङ्गाय नमः
91. भणवे नमः
92. भुजये नमः
93. भण्डुर्णमे नमः
94. भण्डुवाणे नमः
95. मलङ्गाय नमः
96. मभलाय नमः
97. मनभाय नमः
98. मलाय नमः
99. मङ्गलैषान्भुङ्गाय नमः
100. मुट्ठुवे नमः
101. मुट्ठंमृषाय नमः
102. मीलिने नमः

103. मित्रगुरुप्रेष्ठाय नमः
104. मुदाभ्रामुपस्थै नमः
105. मित्राय नमः
106. पराङ्मुखाय नमः
107. इयभिमङ्गैर्दिवभुमत्रुताय नमः
108. उद्वरणिषे नमः
109. भद्ररुपाय नमः
110. कालपीरननाय नमः
111. मन्त्रयाय नमः
112. विष्टपउषे नमः
113. वएवै नमः
114. वैष्टाय नमः
115. पिन्नायाय नमः
116. एल्लिकाप्पियाय नमः
117. मीमाङ्गिउगाम्भूय नमः
118. म्मेणिषे नमः
119. मिउमिकाय नमः
120. मीमाणाय नमः
121. मीणराय नमः
122. मुधिल्ले नमः
123. माभिडु नमः
124. मुण्डे नमः
125. उल्लाय नमः

126. भाणवे नमः
127. भूयमे नमः
128. भंयिचंमवे नमः
129. भरिष्णुतविगुणाय नमः
130. गुरुगुरुवृण्णल्लुपुमभुमभुमभुतये नमः
131. भवुभुय नमः
132. भंयभिते नमः
133. पैधिल्ल नमः
134. भंभारुगुगुगुणाय नमः
135. मत्तिभुते नमः
136. मुदुगेविनुय नमः
137. पुम्भुताय नमः
138. पुपुमभुगवे नमः
139. मुभेत्तिने नमः
140. निगभातुल्लय नमः
141. एकाननुरभाङ्गकाय नमः
142. मीरुमभुगुगुणाय नमः
143. एकल्लुय नमः
144. कथायरुते नमः
145. रुकुपुपुमभुगुणाय नमः
146. गेविनुरुगवद्विषाय नमः
147. रुमिभरुगुगुणाय नमः
148. भुपुगेरुपुगुणाय नमः

149. भाउङ्गमीभलादेवीवैकुण्ठपिउमन्नाय नमः
150. वडितीङ्गमिपुट्टुमभुण्णायपुवगुकाय नमः
151. गण्डरायल्लवणामिने नमः
152. गुरुमिधुपरीवुत्ताय नमः
153. पद्मपादमनाषाय नमः
154. वैगपापुगुणालाय नमः
155. मुनीउलिङ्गकुलकाय नमः
156. मुनल्लुल्लुगीगुलाय नमः
157. केण्डरेमपुडिष्ठुत्ते नमः
158. नेपालवरलिङ्गकुत्ते नमः
159. काम्मीगामिबुत्ताभिने नमः
160. द्वादिभउपण्णाय नमः
161. मीरुभिगिरिनाषामिद्विबुत्ताय नमः
162. भुण्णिने नमः
163. रुद्ररुद्रैकिगाम्माय नमः
164. एउमण्णनरुत्ताय नमः
165. परकायपुवैमापुपासुमट्टभलागमाय नमः
166. गुल्लान्णिमंभुवल्लुल्लुकराभुण्णाय नमः
167. भगवतीएवापुत्तायतीव्वरभुण्णाय नमः
168. रुभुभलकमेवुल्लुने नमः
169. उएकाट्टभुमेविताय नमः
170. पिङ्गुपेण्डुमल्लुत्ताय नमः
171. गुल्लभुण्णाय नमः



172. उम्मालङ्गिरीमाङ्गने नमः
173. गैरीकाङ्गय नमः
174. गुरुङ्गभाय नमः
175. गुरुगङ्गय नमः
176. गुल्मिने नमः
177. गैर्पु नमः
178. गैपनाय नमः
179. नरकङ्कउयै नमः
180. निम्नभाय नमः
181. नरकाङ्कउयै नमः
182. नभ्राय नमः
183. नाषाय नमः
184. निरङ्गनाय नमः
185. निम्नराय नमः
186. निष्कलाय नमः
187. निष्टाय नमः
188. नाभरुपविदेकवते नमः
189. नालीकाय नमः
190. निधियाय नमः
191. नीरुणे नमः
192. निरामिधे नमः
193. निरामयाय नमः
194. निङ्गउयै नमः

195. निःशृणकाय नमः
196. निःशृणकृते नमः
197. निरीश्वराय नमः
198. नीरुपकाय नमः
199. निजुल्लाय नमः
200. निष्कमल नमः
201. निवृषाय नमः
202. वमिने नमः
203. निज्ञेपाय नमः
204. निटुपुष्टाय नमः
205. रुष्टाय नमः
206. दुष्टनम्याय नमः
207. भावङ्कारिले नमः
208. भविणाय नमः
209. भुरवे नमः
210. भावङ्कुराय नमः
211. यमिने नमः
212. भते नमः
213. भाङ्कते नमः
214. भाङ्किकाय नमः
215. भट्टाय नमः
216. भवभिष्टाय नमः
217. भृगुकाय नमः

218. भमिधृष नभः
219. भङ्गुलिल् नभः
220. ष्टुषमे नभः
221. गलिने नभः
222. वाग्मिने नभः
223. भिडेकुिक्तुडे नभः
224. वाण्यभाष नभः
225. वरिधृष नभः
226. वृापृनापृयिकापएवे नभः
227. परभाष नभः
228. परिरुवे नभः
229. पौष्ठाष नभः
230. प्फल्लय नभः
231. पीठाष नभः
232. प्विंवरप्ताष नभः
233. प्पुउरिने नभः
234. ण्णुवेगिने नभः
235. प्फ्राष नभः
236. प्पुनिरुपल्लय नभः
237. पारङ्गुय नभः
238. पामभुङ्गाय नभः
239. परविट्टे नभः
240. प्पुट्टगीविट्टे नभः

241. षण्णिविष्टे नमः
242. षष्ठ्याय नमः
243. षड्विष्टे नमः
244. षड्मष्ट्याय नमः
245. षष्ठ्यै नमः
246. षण्णै नमः
247. विष्टै नमः
248. भैविष्टे नमः
249. षष्कामाय नमः
250. षष्ठ्यष्ट्यै नमः
251. भ्रुष्टे नमः
252. षष्ठ्याय नमः
253. षष्ठ्याय नमः
254. परमैष्टिषे नमः
255. परमैष्ट्याय नमः
256. परमैष्ट्यै नमः
257. परमैष्ट्यायै नमः
258. परमैष्ट्यै नमः
259. परमैष्ट्यै नमः
260. परमैष्ट्यै नमः
261. परमैष्ट्यै नमः
262. परमैष्ट्यै नमः
263. परमैष्ट्यै नमः

264. पराचल्लय नमः
265. परमैरावाय नमः
266. प्रमात्रुद्धने नमः
267. प्रमादकाय नमः
268. प्रलनभनभुयै नमः
269. प्रमाम् नमः
270. प्रुगुवते नमः
271. विह्वै नमः
272. विम्वुते नमः
273. वेणमे नमः
274. वेदवेष्टुवैरुवाय नमः
275. मटुव्वाय नमः
276. मटुपराय नमः
277. डिमट्टाय नमः
278. मटुनायकाय नमः
279. मटुपुतिष्ठाय नमः
280. मटुमिधे नमः
281. मटुप्रेरकाय नमः
282. मभाय नमः
283. रैविडै नमः
284. मसिष्टननुधुपाय नमः
285. ममद्वराय नमः
286. मटुरुपाय नमः

287. भट्टभंभूय नमः
288. नगैमाय नमः
289. ऋत्भानिउय नमः
290. नगरादिउय नमः
291. नभूय नमः
292. नारीनरनवाकुउय नमः
293. वृभल्लैभिनिराश्रमिने नमः
294. मारणविण्यिने नमः
295. मभिने नमः
296. भुरेश्वराणां दृष्टुभाम्भाय नमः
297. भुरिकेभरिल्ल नमः
298. मष्टिउदिवाटुकुट्टुगवैदिकवगुकुते नमः
299. कुकुलानलकुण्डकुभारिलकुडानउय नमः
300. कुउकककमकुण्डुलिमाय नमः
301. कविकेभरिल्ल नमः
302. कुवादिभमभट्टेरुपल्लभूय नमः
303. कलिनमनाय नमः
304. धैगरीगरुणाय नमः
305. भा ह्रुमह्रुवते नमः
306. मभिउट्टुउय नमः
307. एउल्लैनपुडिह्रुमुभुनेस्त्राएनाभनवे नमः
308. वैमेधिकविमेधेकिविमेधल्लविण्णल्लय नमः
309. निरभुद्धैडिभुत्तमैवरुगवडागभाय नमः

310. काञ्चीनगरनिम्नशृङ्गमेतन् पाञ्चिडा य नमः
311. वरमलथनिम्नै नमः
312. एकभूनाषपट्टेश्वरा य नमः
313. गुलाभूमिङ्कलाणाभृपापङ्ना य नमः
314. कालापङ्ना य नमः
315. काभकैष्टुण्णकीरा य नमः
316. काभकैष्टिपट्टम्या य नमः
317. काभाबीवरिवभृकुटै नमः
318. कालरुभीम्वराक्षना य नमः
319. कृष्णभैषानभृपमैषाणलमिरःपट्टा य नमः
320. ऋषा य नमः
321. पीवृष्ट्रवत्तमे नमः
322. पीनरबिले नमः
323. एरापरा य नमः
324. ऐवऐरा य नमः
325. पीनगूवे नमः
326. एयिडा य नमः
327. पीनैत्रुडै नमः
328. ऐधरा य नमः
329. एष्ट्रिपवे नमः
330. एवामःस्त्राभिडा य नमः
331. एरा य नमः
332. एविल्लैष्ट्रुगिने नमः

333. ऐषल्लय नमः
334. एरल्लमनाय नमः
335. एीरुल्लमिने नमः
336. ऐःमुएराय नमः
337. एरिमुल्लमनाय नमः
338. एयिने नमः
339. एलिउमैधणीऐषाय नमः
340. विभुउच्चैउवैरुवाय नमः
341. बैरुएनकुमरुउकुडुकारउमल्ललाय नमः
342. कैलाममेविने नमः
343. गल्लरीनारायणपल्लम्याय नमः
344. कामरुपात्तनाय नमः
345. मकाभाय नमः
346. काम्मीरेश्वरमेवकाय नमः
347. मवतीश्वरकायेष्टाभायाकास्त्रीभलीपियाय नमः
348. कालीभरुगरिश्वरएभुऐवीप्यागगाय नमः
349. मीमैलैमएगत्राघपुरुधेडुभलीभगाय नमः
350. डुभुकैल्लयिनीविनूवामिनीमेवनापराय नमः
351. मेडुकनृकुभारीगाय नमः
352. एनारुनएनारुिप्पे नमः
353. मनरुपुरवैयाभ्वधाएलपल्लम्याय नमः
354. कालपीकलराय नमः
355. कलृाय नमः



356. भगःभगप्रीपराय नमः
357. कृष्णकलाएपाङ्गुलैरगैलभनीपराय नमः
358. मीनीपडित्तुगैणकायासैउवनाम्पाय नमः
359. भातृमीरङ्गभपरास्तनमाविपराय नमः
360. मीपलाङ्गेश्वरीरङ्गताएङ्गुमुयनृगणै नमः
361. काङ्गीगुलाङ्गुलमुपङ्गणपरिभुगाय नमः
362. रुभृपुणैनिलाकामलिङ्गमेवाण्डाङ्गाय नमः
363. भट्टवृत्तुलभाविने नमः
364. काभकेटिभङ्गाङ्गाय नमः
365. गिङ्गाभृगभृगुमुभैलिङ्गाय नमः
366. मलिङ्गाय नमः
367. एमृमङ्गम्भृगुगलिङ्गाय नमः
368. एउभृगिल्ल नमः
369. मारङ्गाभातृभृमाय नमः
370. भवङ्गाय नमः
371. भवपापनृनै नमः
372. मारङ्गाभङ्गाङ्गुमारङ्गापीङ्गावनाय नमः
373. मारङ्गाभापनापुउएमृमङ्गागिरिभृलाय नमः
374. ममरीरवगैवृङ्गाकाभकेटिभङ्गिउयै नमः
375. काभकेटिभङ्गापीङ्गाभृङ्गाभृभङ्गाभङ्गायै नमः
376. कालङ्गाय नमः
377. काभङ्गायै नमः
378. काङ्गाय नमः

379. मारण्डैरुवाङ्गापाय नमः
380. काभकेरिणरागेष्टिने नमः
381. कम्पित्कुलमोपराय नमः
382. मिधुमरूपरत्नवत्तडीरुम्पराय नमः
383. भोभायभलाभायमेतुकेरलण्डकुते नमः
384. पुटतुडीरूपभापमिधुगभविवेणनाय नमः
385. मुननेन्दुरिणप्रवमरधृष्टकृषागभाय नमः
386. मुनन्मभयएनन्तिवास्त्यापुत्रवाङ्गपाय नमः
387. येगेश्वराक्षानिरुताय नमः
388. येगृय नमः
389. येगविष्टं वराय नमः
390. मुष्टिउय नमः
391. मुष्टिराय नमः
392. मिष्टाय नमः
393. भूभवे नमः
394. मुञ्जे नमः
395. मिडिप्पाय नमः
396. मटुवत्तपम्पुष्टीरुवाय नमः
397. ममरीरवते नमः
398. म्भुरापरमंभारपारउरल्लकुडुरवे नमः
399. कृष्टारिवजमंमातुष्टातुलकुष्टवैरुवाय नमः
400. मनातुराय नमः
401. मनुलिताय नमः

402. मद्भुजाय नमः
403. भापुण्ड्रनाथ नमः
404. धनुमनीपारम्वरै नमः
405. धनुषाडीतभानभाय नमः
406. मृदेधाय नमः
407. मृल्लयाय नमः
408. मृदनाय नमः
409. मृत्तम्वय नमः
410. मृपुनरुवाय नमः
411. मुम्लाय नमः
412. वृम्लाय नमः
413. पृम्लङ्गनै नमः
414. भिम्लाय नमः
415. पृम्लाय नमः
416. मभुम्लाय नमः
417. मभिम्लाय नमः
418. पृतिराविम्लाय नमः
419. भारल्लय नमः
420. मवमभुविम्लै नमः
421. मुणभुम्ववममै नमः
422. मुकुभउवै नमः
423. भेरुउभेरववै नमः
424. भरावममै नमः



448. कावुरङ्गविनिम्नलङ्घेष्टकविष्णाय नमः
449. भाण्टपुटल्लिङ्गैः नमः
450. भण्णणीमभानिङ्गैः नमः
451. ऐतिःपुरैःमविङ्गैः नमः
452. पारैःपुण्ड्रिङ्गैः नमः
453. विरुपाङ्गमुल्लङ्घितैः नमः
454. विष्णुपुण्ड्रिङ्गैः नमः
455. विष्णुपुण्ड्रिङ्गैः नमः
456. विष्णुपुण्ड्रिङ्गैः नमः
457. पाण्डुपुण्ड्रिङ्गैः नमः
458. विष्णुपुण्ड्रिङ्गैः नमः
459. गङ्गावल्गुलङ्घितैः नमः
460. रुद्रपुण्ड्रिङ्गैः नमः
461. वल्गुपुण्ड्रिङ्गैः नमः
462. वृषपुण्ड्रिङ्गैः नमः
463. उद्धरकुण्डलङ्घितैः नमः
464. भल्लिकाङ्गैः नमः
465. मीपङ्गुलङ्घितैः नमः
466. मण्डलङ्घितैः नमः
467. कभलाङ्गैः नमः
468. कलङ्गैः नमः
469. कलिङ्गैः नमः
470. कभरुपाङ्गैः नमः

471. कामाग्राय नमः
472. कलाभयाय नमः
473. परमेश्विने नमः
474. वसप्राञ्जय नमः
475. कामाक्षीमेवनेन्दुकाय नमः
476. प्राञ्जलाय नमः
477. प्राञ्जिने नमः
478. पुष्पाय नमः
479. भवउत्सृज्युत्पिने नमः
480. भवउत्सृजने नमः
481. नाभिकाकुतुबे नमः
482. पुष्टिने नमः
483. सुभवाप्रविदे नमः
484. ऋग्वेदपञ्चकेन्दुकाय नमः
485. ऋग्वेदनिष्ठे नमः
486. मन्त्राय नमः
487. ऋषाय नमः
488. ऋषिपुत्रिष्ठाय नमः
489. कालप्रविदे नमः
490. सुभिकाय नमः
491. सुष्टे नमः
492. सुष्टेयुधाय नमः
493. प्रभुकापालिकभक्तुभाय नमः

494. काभिनीविभाषाय नमः
495. काभृय नमः
496. कद्गुणै नमः
497. कद्गुणै नमः
498. कृतिने नमः
499. कलृगुमीलाय नमः
500. क्रियाभृताय नमः
501. कृपाभताय नमः
502. कीर्तिभते नमः
503. कृत्येगैमपुष्टुत्तगङ्गाय नमः
504. एभिन्नपुराणसीमालात्तनृपात्तिताय नमः
505. वैष्णवभृताय नमः
506. लनपुत्राय नमः
507. त्रिभुवनारिण्ये नमः
508. त्रैपालदेमरुपालवृधदेवैपदेमरुते नमः
509. कैलासकुण्डमुपमुपट्टनारिण्ये नमः
510. भोगउत्तनिष्कामपदेवै नमः
511. वैरागुणैकाय नमः
512. भृणीभृते नमः
513. त्रिभुवनारिण्ये नमः
514. देवदेवैरुते नमः
515. शृङ्गाय नमः
516. प्रमत्तकमलाद्भुवनारिण्ये नमः

517. मभूल्लकुम्भपापृभनूभनूभिउडुगय नभः
518. पिनुम्परिप्रउतुवाभिपुङ्गवमंसयाय नभः
519. रुरिरारिवयेरामरुम्भाङ्कुउरैरवाय नभः
520. मभाम्पिउमुणव्वडुपाप्पकानिउपुण्णय नभः
521. नभःमेधिल्ल नभः
522. नभपराय नभः
523. नन्नुउमेधविह्वपाय नभः
524. एकम्भिल्ले नभः
525. कधायिने नभः
526. भुल्लिल्ले नभः
527. पल्लिउमैगउय नभः
528. म्मिगभूराप्पिप्पःमिप्पुमिप्पुवुविनिगम्भय नभः
529. भल्लिकाप्पेउम्भय नभः
530. भल्लिकाम्भय नभः
531. कभारिभुगुये नभः
532. कुडुकिने नभः
533. कभनीयगुम्भय नभः
534. मेमेम्भवाउलीङ्गुपुमैभृगेविनुमेवनाय नभः
535. भालिकाप्पियणालुकुण्णपुण्णितविगुलाय नभः
536. म्भट्टम्भवरिष्ठाय नभः
537. म्भिये नभः
538. म्भित्तल्लम्भय नभः
539. म्भम्भय नभः



540. भरुद्गुणलभायिने नमः
541. अष्टैश्वर्यमुत्तमनाय नमः
542. ध्वंविनभूतब्रह्मापादिउल्लामनाय नमः
543. वदुल्लारुकेन्दुनीरभारप्रभृगाय नमः
544. मभुल्लमुवदुल्लारुदुवीषीवनम्याय नमः
545. मगरुभुगनिवृद्धभरणीयभुतिभूमाय नमः
546. मद्रुकुलपवनाय नमः
547. वभिष्टाय नमः
548. वागुताय नमः
549. वराय नमः
550. मभीरुवदुभृदुताय नमः
551. पंभुनुकुपषात्रुनाय नमः
552. दुधारमीकरभुल्लिष्टपिष्टान्नक्रियाय नमः
553. भकरनुगरीभानुभृप्रेकुये नमः
554. भराकवये नमः
555. कभङ्गलुद्रकेरीकुतकल्लैलिनीगनाय नमः
556. मभुल्लरुभुलिङ्गमुकात्रुनीरगरभुिउये नमः
557. वैलाणभवृद्धभुदूये नमः
558. भुउमल्लिवनेरुल्लय नमः
559. भरावृणिप्समनाय नमः
560. भद्राय नमः
561. भुगवमृकुते नमः
562. एरुकुल्लामिभभुधिल्ले नमः

563. लडापुपुक्तुडा छनाय नमः  
 564. भौवभुिककैष्टुगुय नमः  
 565. भौपभुभुिककैमिकाय नमः  
 566. भौप्राडाडिककाकेलाय नमः  
 567. भौपाभनिकपत्रगाय नमः  
 568. भौपगायनकुट्टकाय नमः  
 569. भौवाडिष्टुकपुपुलिके नमः  
 570. भौवागडिकमागुलाय नमः  
 571. भौपेनुष्टिकवृष्टिकाय नमः  
 572. भौभाडिकपुम्बकाय नमः  
 573. भौवहृष्टनिकाभृष्टाय नमः  
 574. भौवीष्टिकवाडुलाय नमः  
 575. भौवनाडिकपुम्भाय नमः  
 576. भौवाभडिकपुष्टाभृष्टाय नमः  
 577. भौवडुभिकवाडुभाय नमः  
 578. भौविनाभिकभडुष्टाय नमः  
 579. भौवपुष्टिकपुष्टुष्टाय नमः  
 580. भौपुष्टिककागुष्टाय नमः  
 581. भौमाकुनिकभौकलाय नमः  
 582. भौवापीडिकवेमगुष्टाय नमः  
 583. भौष्टिककल्लेगुष्टाय नमः  
 584. भौविलिभुिककुष्टुष्टाय नमः  
 585. भौवभुिकपुष्टुष्टाय नमः

- 27



632. ऋतूगाय नमः  
 633. कीर्वाणभूय नमः  
 634. गैभडीडीरुमेवनाय नमः  
 635. ध्रुपद्गणदत्तपद्मपादनिर्मितकुटे नमः  
 636. सुम्भिल नमः  
 637. उडुभभृदिभलावाकृदुरुपवडे नमः  
 638. ऐडिम्भंकराय नमः  
 639. ऐडिधुडीपींनिर्मितकुटे नमः  
 640. गददम्भमंभूनाय नमः  
 641. मलकनचूवगारुनाय नमः  
 642. सुषवल्गङ्गिरेवैदिने नमः  
 643. मीपुलागिरिमेवकाय नमः  
 644. गैवत्तनभनीनाषाय नमः  
 645. गिरिवैगपण्मयाय नमः  
 646. पुरुधेडुभमङ्कडिल नमः  
 647. विभलापींकलकाय नमः  
 648. मडानचूय नमः  
 649. मडेण्मे नमः  
 650. द्मेन्नुयविनिगुलाय नमः  
 651. मीडुन्नुलिउदिसमीदमृमङ्गगिरिम्बिल नमः  
 652. मारदवगनापुडवृपुपींणिरेकल्लय नमः  
 653. रामणचूपुरबैडिल नमः  
 654. उङ्गरुडएम्बिल नमः

655. वरारुद्रैवताभारमारुद्राक्षयमक्रिरुते नमः
656. रुद्रिवारिल्ल नमः
657. रुद्रयष्टवैदिने नमः
658. मीरुगतीपद्मय नमः
659. विरुद्रकापिष्ठनभूमलकानिकरैमद्मै नमः
660. विरुपाक्षभक्तैवभक्तनीचपद्मम्याय नमः
661. भनीधिभङ्गलीभानृभेलाभयभक्तगुरवे नमः
662. प्रमृपृतीमृवाष्टैमीमृभयामिभक्तिकाय नमः
663. प्रमृभयभुवित्रुमुमुभलकमंभुताय नमः
664. पृतीमृभयभक्तैमनान्निउभनन्नाय नमः
665. श्रवामृभयनिबिधुपृष्टीणनताक्षिकाय नमः
666. उमीमृभयएनन्नुननुगिद्विबन्निताय नमः
667. कामकैलीपीपउयै नमः
668. कभ्रवैगवतीगराय नमः
669. एकभ्रनघगराभरैएउभप्रवृताय नमः
670. कामाक्षीगराभ्रनुपाद्मकाक्षनउद्गराय नमः
671. एष्टैष्टाङ्गने नमः
672. परवृद्धवृवभूपनणीरणियै नमः
673. मटुवृउमभापृउकाष्टुत्रितविगृताय नमः
674. मवृष्टपीपापृरैरुत्तुभुमावृष्टमंसयाय नमः
675. भुरैष्टगरामिमृष्टाउमभारणितपाद्मकाय नमः
676. भीभंभाष्टयपारीष्टय नमः
677. काष्टैष्टाष्टपद्मप्रविष्टै नमः

678. स्रङ्गिमण्यः कलिउङ्गिः पद्मिनीकुण्डलाय नमः  
 679. सुमेतुलिभमैलातुण्डभापनमिकाय नमः  
 680. विष्टवमीकुण्डमेषमविष्टनमिडाय नमः  
 681. एगङ्गुरवे नमः  
 682. एगङ्गेनये नमः  
 683. माभृयेनये नमः  
 684. मभवृयिने नमः  
 685. भृष्टभृष्टद्वलिङ्गिने नमः  
 686. भाङ्गुयेगविभमकुडे नमः  
 687. वैद्याकरणीमेषिने नमः  
 688. वमिष्टाय नमः  
 689. ककुम्भुराय नमः  
 690. गेउभीयवमेषुमिने नमः  
 691. वैमेषिकभण्डपणाय नमः  
 692. मेषेष्टनिभमेषुमिने नमः  
 693. ऐभिनीयकुण्डहिण्डुडे नमः  
 694. णिगभूरनयातुष्टाय नमः  
 695. प्रभुपासुपउक्तिाय नमः  
 696. सुष्टुङ्गवामिण्डुडे नमः  
 697. णिष्टुङ्गवडगभाय नमः  
 698. विनेष्टनिमिउष्टुष्टुयगभीरुष्टुष्टुडे नमः  
 699. वृष्टुष्टुष्टुवमिण्डुय नमः  
 700. विष्टुष्टुष्टुविमण्डाय नमः

701. भ्रुतिभीमाविष्णुगङ्गय नमः
702. प्लवाङ्गुष्कामकाय नमः
703. मंभारउड्मङ्गुवडे नमः
704. भायाउड्मङ्गुपङ्गय नमः
705. मभलाविष्णुकाष्टुरेपेन्मलनविष्णुगङ्गय नमः
706. मंभारउरङ्गपायमन्मनपदिष्ठुवागे नमः
707. रमिकाङ्गाङ्गनकभलावाङ्गुमङ्गुउये नमः
708. वृनिपुणनभरुक्रमउल्लेकीभलाकवये नमः
709. वृद्धभउवृद्धमिपागीउपभूतनराधृकुडे नमः
710. पट्टगृद्धैकुडेणवृद्धमिने नमः
711. भेवावृद्धमकाय नमः
712. निरतुरकुडाभयमिरेनिगङ्गमीलनाय नमः
713. वेणुववनरुट्ठाय नमः
714. उड्मङ्गनभकेणवये नमः
715. उरङ्गय नमः
716. उरङ्गीङ्गाय नमः
717. उरङ्गपडिमभम्ववये नमः
718. उरङ्गकवृद्धउड्मङ्गय नमः
719. उपध्विने नमः
720. उपभानुगाय नमः
721. उपवृषविनिम्नकाय नमः
722. नलिनेकिनिगमकुडे नमः



723. षलङ्कुडिने नमः  
 724. षडिभानृमिषै नमः  
 725. षुङ्गविट्टे नमः  
 726. रूद्रविडुभाय नमः  
 727. रूद्रष्टाय नमः  
 728. रूद्रकुडाय नमः  
 729. धाणिष्ठानास्त्रिकुण्डिकाय नमः  
 730. कुडपुष्टभुलीवाशाय नमः  
 731. उक्ताभायानुडुविट्टे नमः  
 732. कैवल्यैवविष्टयिने नमः  
 733. सुसूभानमडीरुकाय नमः  
 734. भुमेरुभलमस्तारिल्ले नमः  
 735. भायामक्तिविष्टवनाय नमः  
 736. मट्टल्लनारिण क्कानिने नमः  
 737. षापङ्गननुभ्रिभुते नमः  
 738. भेरुमिवेरुवाकुमिषै नमः  
 739. पुट्टगाभायवैट्टनाय नमः  
 740. निरङ्गनेष्टगमेविने नमः  
 741. मीकराय नमः  
 742. मभृष्टायरुते नमः  
 743. विष्टपी०भरुवैगिने नमः  
 744. परभाङ्गभाम्वाय नमः  
 745. डिपुलीडीरु विरुडये नमः

746. वैगङ्गद्विवाकराय नमः  
 747. मीविष्टमक्तिरूपनाय नमः  
 748. भद्रिल नमः  
 749. भद्रैर्गभिने नमः  
 750. परमपरिवार नमः  
 751. मीमिष्टापुरद्वन्द्वरुते नमः  
 752. भाद्रकैकभक्तवक्त्राय नमः  
 753. वैद्वय नमः  
 754. मङ्गरतः पराय नमः  
 755. निष्कलाभायनिरुताय नमः  
 756. माद्रिष्टत्रिभुताय नमः  
 757. गिरुते नमः  
 758. सुनन्दीपिम्बिष्टाय नमः  
 759. भद्राद्रुतिपदम्याय नमः  
 760. म्मैष्टुमिनिष्टाय नमः  
 761. मसिन्मभाम्याय नमः  
 762. नरुभीष्टाय नमः  
 763. नरुमिने नमः  
 764. नरुमे नमः  
 765. गिरुमिष्टुमिनाय नमः  
 766. पर्वपर्वयिने नमः  
 767. नमिले नमः  
 768. ननुगेपरुपरुकाय नमः

769. रुमै नमः
770. रुक्मानुजायै नमः
771. रुण्माय नमः
772. मन्त्राय नमः
773. उष्णाय नमः
774. पराङ्मुगच्छिनाय नमः
775. मकलाङ्गने नमः
776. मकलाय नमः
777. पुरवे नमः
778. पुरुषाय नमः
779. पुष्पलाय नमः
780. प्रलाय नमः
781. मङ्गभाङ्गय नमः
782. पुराउताय नमः
783. ऐगवैगिने नमः
784. वैगवैगिने नमः
785. रुवनाङ्गने नमः
786. वनेण्डाय नमः
787. रुडिकुडे नमः
788. रुडिणाय नमः
789. रुडाय नमः
790. रुमिमाय नमः
791. रुडरावकाय नमः

- 36

815. ऽमिडा ण्डय षाङ्गय नमः
816. भुणीभङ्गनिषेविडा य नमः
817. नमीनम्भरभीङ्ग भ्रावपाविउविगुला य नमः
818. पङ्गिउवाउपाङ्गिउपुमेधलपण्डिडा य नमः
819. उङ्गण्डपुकरना य नमः
820. द्वभण्डविबेककुडे नमः
821. निट्टननु य नमः
822. निगलभ्रा य नमः
823. निरवा य नमः
824. निपिलेकका य नमः
825. निट्टणिचे नमः
826. निट्टमङ्गलु य नमः
827. निणिभ्रा य नमः
828. निरविट्टका य नमः
829. निट्टवाभिने नमः
830. निट्टमुण्ये नमः
831. निनुग्रा य नमः
832. निगभारिषु नमः
833. निरङ्गना य नमः
834. निट्टपुष्टु य नमः
835. निट्टभुङ्गा य नमः
836. निरीश्वरा य नमः
837. निधुङ्गे नमः

838. निधुउये नमः
839. निःभ्राय नमः
840. निध्वाय नमः
841. निपिलवामहुवे नमः
842. पुरीमाय नमः
843. पुत्रगाय नमः
844. पुष्टाय नमः
845. पुत्रनाभिने नमः
846. पुरुषियाय नमः
847. विप्राउवीटाय नमः
848. विष्टिमाय नमः
849. मीविष्टुधेरुमीगुरवे नमः
850. लङ्कै नमः
851. लङ्काय नमः
852. लङ्कालाय नमः
853. लङ्काल्लय नमः
854. लमङ्गलाय नमः
855. स्त्रीभटे नमः
856. लंभगउये नमः
857. लंभाय नमः
858. लंभवेउरुभुराय नमः
859. लंभभर्तृउड्डल्लय नमः
860. लंभवलाय नमः

861. करिप्रियाय नमः
862. कदम्बमलाय नमः
863. कामकुमलाय नमः
864. कानिबल्लित्तये नमः
865. मङ्गलाय नमः
866. मङ्गलपत्राय नमः
867. भ्रामिने नमः
868. मङ्गलपत्राय नमः
869. मङ्गलपत्राय नमः
870. स्त्रीवेरमीउलभात्राय नमः
871. स्त्रीभङ्गीकारिताङ्गुलाय नमः
872. लङ्कितमेषभङ्गाय नमः
873. लङ्कितमेषभङ्गाय नमः
874. लङ्कितमेषभङ्गाय नमः
875. लङ्कितमेषभङ्गाय नमः
876. लङ्कितमेषभङ्गाय नमः
877. लङ्कितमेषभङ्गाय नमः
878. कङ्कितमेषभङ्गाय नमः
879. कलिप्रभित्तये नमः
880. कलप्रभित्तये नमः
881. कलप्रभित्तये नमः
882. रुद्रित्तुङ्गाय नमः
883. रुद्रित्तुङ्गाय नमः

884. हुभुरमेविडाय नमः
885. यागविट्टि नमः
886. येगविट्टि नमः
887. युक्राय नमः
888. यमेष्टाय नमः
889. यभप्पिषाय नमः
890. उङ्कुरवृरुडिवृगाय नमः
891. नभिताराडिभङ्गलाय नमः
892. नागमैलमिरङ्गारिल्लि नमः
893. राभगिट्टाम्भाम्भाय नमः
894. वाङ्छितारूप्पुष्टाय नमः
895. मन्त्राय नमः
896. मल्लीनाय नमः
897. भेष्टमेष्टाय नमः
898. यडिण्टाविबेकल्लय नमः
899. यउणिये नमः
900. यउरावनाय नमः
901. उङ्करिल्लि नमः
902. विउडाङ्गैउम्भित्तुवाय नमः
903. कृपानिण्ये नमः
904. यत्तु नमः
905. यउभनमे नमः
906. यभृाय नमः



907. यल्लङ्गय नमः
908. यल्लङ्गुधङ्गय नमः
909. यल्लय नमः
910. यल्लपड्ये नमः
911. यल्लने नमः
912. यल्लरुवे नमः
913. यल्लरावनाय नमः
914. कृपादिउकरालभूय नमः
915. विप्रभुविणये नमः
916. मङ्गभुवे नमः
917. निपिलङ्गाउलागाय नमः
918. पाधङ्गभडापङ्गनाय नमः
919. प्तिष्ठपकभुत्तृय नमः
920. भडाङ्गयभङ्गनाय नमः
921. परिवाणकपुत्रे नमः
922. मन्त्रपुत्रे नमः
923. मन्त्रपुत्राय नमः
924. भुङ्गाय नमः
925. भुङ्गाय नमः
926. भुङ्गाय नमः
927. भुङ्गाय नमः
928. भुङ्गाय नमः
929. मन्त्राय नमः

930. मुरुङ्कगाय नमः
931. मुङ्गाय नमः
932. मुगाय नमः
933. मेकविवन्तिताय नमः
934. ऋषवे नमः
935. उरुषवे नमः
936. ऋभिर् नमः
937. ऋषुये नमः
938. भाषुतात्तनाय नमः
939. गण्णगण्णिताय नमः
940. गङ्गाय नमः
941. गङ्गाय नमः
942. गङ्गाय नमः
943. गङ्गाय नमः
944. गङ्गाय नमः
945. गङ्गाय नमः
946. गङ्गाय नमः
947. गङ्गाय नमः
948. गङ्गाय नमः
949. गङ्गाय नमः
950. गङ्गाय नमः
951. गङ्गाय नमः
952. गङ्गाय नमः

953. गरुपाय नमः
954. गरुडाय नमः
955. गरुमीय नमः
956. गरुपिषाय नमः
957. नारुःपुल्लय नमः
958. नपुल्लय नमः
959. नगफिःपुल्लय नमः
960. नपुल्लय नमः
961. पुल्लनयनाय नमः
962. विल्लनङ्गने नमः
963. विलामकुटे नमः
964. पिषापिषमुन्ननीनाय नमः
965. ममुताय नमः
966. मुकामरुवते नमः
967. मरुभये नमः
968. मण्णलाय नमः
969. मनगुये नमः
970. मरायवे नमः
971. मनभुराय नमः
972. मण्णलाय नमः
973. मरुमृकाय नमः
974. मरुते नमः
975. मरुते नमः

976. करु नमः
977. मकरुकाय नमः
978. मगनाय नमः
979. मरुकाय नमः
980. मरुपाय नमः
981. मरुजाय नमः
982. मरुकाय नमः
983. मरुकाय नमः
984. मरु नमः
985. मरु नमः
986. मरु नमः
987. मरु नमः
988. मरु नमः
989. मरु नमः
990. मरुकाय नमः
991. मरुकाय नमः
992. मरुकाय नमः
993. मरुकाय नमः
994. मरुकाय नमः
995. मरुकाय नमः
996. मरुकाय नमः
997. मरुकाय नमः
998. मरुकाय नमः

1000. ಕುಕುರುತ್ಯಮಾಭ್ಯಾಸ ನಮಃ



- 45

15. □□□□□ — (மக்கள் நல்வழியில் வரமாட்டார்களா என்ற) அவா கொண்டவர்
16. □□□□□□□□□□□□□ — ப்ரஹ்மாவால் போற்றப்பட்டவர்
17. □□□□□□□□□□□□□ — விடாது நன்னடத்தையில் திறம்பட இருப்பவர்
18. □□□□□ — திறமைசாலி
19. □□□□□□□□□□□□□ — (வேதத்தின் உச்சியில்) வேதாந்தத்தில் (ஆசார்யனாக) நின்றவர்
20. □□□□ — ஸிவனாரின் (அவதாரமானவர்)
21. □□□□□□□□□□□□□ — தூயதை நன்கு போதிப்பவர்
22. □□□ — (உணர்ச்சிகளை) தன் கட்டுக்குள் வைத்தவர்
23. □□□□□□□□□□□□ — (மூல வடிவில்) உலகத்தை ஆள்பவர்
24. □□□□□□ — சிறந்தவர்
25. □□□□□□□ — மதிப்பிட முடியாதவர்
26. □□□□□□□ — (அத்வைதத்தின்) மூல (பாஷ்ய நூல்களை) செய்தவர்
27. □□□ — யஜ்ஞங்களை (தான் காப்பாற்றவேண்டியவையாகக்) கொண்டவர்
28. □□□□□□□□□□□□□ — தலைவராக பட்டாபிஷேகம் செய்விக்கப்பட்டவர்
29. □□□□□□□ — அனைத்தையும் செய்யவல்லவர்
30. □□□□□□□ — பெரும் தேவன் (அல்லது பூதேவர்களுக்குள் சிறந்தவர்)
31. □□□□□□ — சுகமும் துக்கமும் (அனுபவிக்கும் ஸரீரமெனும் உபாதிக்கு உட்புகுந்தவர்)
32. □□□ — உலக உற்பத்திக்கு காரணமானவர்
33. □□□□□□ — அழகையைப் போக்குபவர்
34. □□□ — (பாபங்களை) நீக்குபவர்
35. □□□□□□ — கள்ளங்கபடமின்மை என்ற அழகை உடையவர்

36. □□□□□ — (தோஷங்களை) அழிப்பவர்
37. □□□□□ — (உலகு) ஆள்வதை சுபாவமாகக் கொண்டவர்
38. □□□□□□ — திறம்பட (உலகு) ஆள்வவர்
39. □□□□□ — சக்தியுடையவர்களில் சிறந்தவர்
40. □□□□□□□□□□□ — (பக்தர்களுக்கு) நலத்தை விளைவிப்பவர்
41. □□□□□□ — (ஆத்மா, மனஸ், இந்த்ரியங்கள்) ப்ரஸன்னமாக இருப்பவர்
42. □□□□□□ — உறுதியாக இருப்பவர்
43. □□□□□□□ — அசைவற்ற (பரம்பொருளாக) இருப்பவர்
44. □□□□□□□□□□ — தேவர்களால் போற்றப்படுபவர்
45. □□□□□□□ — என்றும் இருப்பவர்
46. □□□□□□□□□□ — இனிமை மிகுந்த முகமுள்ளவர்
47. □□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஸித்தர்களாலும் யோகிகளாலும் வணங்கப்பட்டவர்
48. □□□□ — (கருணையாகிய) உமையுடன் இருப்பவர் (அல்லது) சந்த்ரனை (போல் உபதேச அமுதம் பொழிபவர்)
49. □□□□□□□□□□□□□□□ — அம்ருதமயமான சுத்தமான உடலைக் கொண்டவர்
50. □□□□□□□□□ — (ஞானமாகிய நீங்காத) செல்வம் உடையவர்
51. □□□□□□□□□ — (பக்தர்களின்) மிகுந்த அன்பிற்குரியவர்
52. □□□□□□□□□ — உலகுக்கு தலைவர்
53. □□□□□□□□□□ — (உலகைக் காக்க) விடமுண்ட கண்டன் ஆனவர்
54. □□□□□□□□□□□□□□□ — (பக்தர்களிடம்) அன்புகாட்டுவதில் நிலைத்தவர்
55. □□□□□□□ — சிவனை வழிபடுபவர்

56. □□□□□□□□□□ — சங்கர என்ற பெயர் கொண்டவர்
57. □□□□ — (தர்மத்தைக் காப்பதில்) வீரர்
58. □□□□□□□□□□ — ஸஞ்சாரத்தால் மங்களத்தைப் பரப்புபவர்
59. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — சுத்த பிரம்மத்தில் ஐக்கியமே தனது (உண்மை) வடிவமாக உடையவர்
60. □□□□□ — முழு (பிரபஞ்ச வடிவினர்)
61. □□□□□□□□□□□□□□ — அனைத்து மந்திரங்களாலும் போதிக்கப்படுபவர்
62. □□□□□□□□ — (ஐம்) பூதங்களுக்கு உள்ளிருப்பவர்
63. □□□□□□□ — (ஐம்) பூதங்களை உருவாக்கியவர்
64. □□□□□ — எங்கும் நிறைந்தவர்
65. □□□□□□□□□□ — (சிவனார் வடிவில் தேவர்களை அந்தந்த வடிவில் பிறக்கும்படி) கட்டளையிட்டவர்
66. □□□□□□□□□□ — தேவர்களின் (நலனுக்காக) முயற்சி செய்பவர்
67. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — கலிக்கு பயப்படும் தேவர்களால் (தக்ஷிணாமூர்த்தி வடிவில்) வேண்டப்பட்டவர்
68. □□□□□□□□ — முருகனை (குமாரில பட்டராக அவதரிக்கும்படி) உத்தரவிட்டவர்
69. □□□□□□□□ — (அவ்வப்போது மலை) குறைகளை இருப்பிடமாகக் கொண்டவர்
70. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — விஷ்ணு ப்ரஹ்மா (இவர்களை ஸநந்தனர் மற்றும் ஸுரேச்வரராக அவதரிக்கும்படி) உத்தரவிட்டவர்
71. □□□□□□ — (அஸத்துகளிடம் சொல்லத்தகாத) ரகசியமானவர்
72. □□□□□□□ — (ஹ்ருதய) குறையில் உறைபவர்
73. □□□□ — (ப்ரஹ்ம வடிவில் அறியவொண்ணாது எவ்விடமும்) ஒளிந்திருப்பவர்



74. □□□□□□ — அள்ளி வழங்குபவர்
75. □□□□□□□□ — செல்வத்தை உருவாக்குபவர்
76. □□□□ — அறிஞர்
77. □□□□□□□□□□ — மலையில் ஸஞ்சரிப்பவர்
78. □□□□□□□□ — (உலகில் தர்மமெனும்) செல்வத்தை பராமரிப்பவர்
79. □□□□□□ — உலகைக் காப்பவர்
80. □□□□□□ — ஜீவராசிகளுக்கு தலைவர்
81. □□□□□□□□ — ஜீவராசிகளை உருவாக்கியவர்
82. □□□□□ — மங்களமானவர்
83. □□□□□ — மனதிற்கினியவர்
84. □□□□□□□ — பிறவிப்பிணிக்கு வைத்தியர்
85. □□□□□□□□□□ — பக்தர்களால் பூஜை செய்யப்படுபவர்
86. □□□□□□□□□□ — (சிவனார் வடிவில்) பிநாகம் (என்னும் வில்லை) தாங்கியவர்
87. □□□□□□□□□□ — (ஸத்துக்களின்) மண்டலத்திற்கு ஆத்மாவாக இருப்பவர்
88. □□□□□□□□ — இனியன மொழிபவர்
89. □□□□□□ — புன்னகை பூத்தவர்
90. □□□□□□ — மரியாதைக்குரியவர்
91. □□□□ — தேனையை (ஸாரமான ஆனந்தம் கொடுக்கும் பரம்பொருளானவர்)
92. □□□□□ — மௌனமாக சிந்திப்பவர்
93. □□□□□□□□ — பேரொளிபடைத்தவர்
94. □□□□□□□□ — பெருமைக்குரியன சொல்பவர்
95. □□□□□□□□ — (பூமியை) அலங்கரிப்பவர்

96. □□□□ — (முந்தைய பிறப்பில் சேகரித்து தீய எண்ணமாகிய) அழுக்கு இல்லாதவர்
97. □□□□ — பாவமில்லாதவர்
98. □□□□ — (எளிமை மற்றும் கபடமின்மையில்) குழந்தை போன்றவர்
99. □□□□□□□□□□□□ — பெண்ணாசை அற்றவர்
100. □□□□□□□ — (வெளிப்படையாகவும் ஸூக்ஷ்மமாகவும்) சான்றோரிடையே இருப்பவர்
101. □□□□□□□□□□□□ — சான்றோருக்கு அடைக்கலமாக இருப்பவர்
102. □□□□ — சீலம் மிகுந்தவர்
103. □□□□□□□□□□□□□□ — சிவகுருவின் ப்ரிய (மகனார்)
104. □□□□□□□□□□□□□□□□ — ஆர்யாம்பாவின் உயர்ந்த குழந்தை
105. □□□□ — மங்களமானவர்
106. □□□□□□□□ — அப்பாலுக்கும் அப்பாலாய் இருப்பவர்
107. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — முப்பத்து முக்கோடி தேவர்களால் நன்கு வணங்கப்படுபவர்
108. □□□□□□□ — விசாலமான மனம் உடையவர்
109. □□□□□□□□ — ஸத்ய வடிவினர்
110. □□□□□□□□□ — காலடியில் பிறந்தவர்
111. □□□□□□ — இரண்டற்றவர்
112. □□□□□□□□□□ — கல்விக்கு தலைவர்
113. □□□□ — ப்ரஹ்மசாரியாக இருப்பவர்
114. □□□□□□ — (த்யானத்தால்) அறிய வேண்டியவர்
115. □□□□□□□ — சைதன்ய வடிவினர்

- 51

132. □□□□□ — புலன்களை அடக்கியவர்
133. □□□□□□ — ஸந்ந்யாஸ மந்த்ரத்தை உச்சரித்தவர்
134. □□□□□□□□□□□□□□□□ — ஸம்ஸார (வாழ்க்கையை) தியாகம் செய்வதில் முனைந்தவர்
135. □□□□□□□□□□□ — (துறவறத்தால் புதிய) பொலிவு பெற்றவர்
136. □□□□□□□□□□□□ — கோவிந்த (பகவத்பாதரை மனதினால் குருவாக) வரித்தவர்
137. □□□□□□□□□ — (குருவிருக்கும் இடம் நோக்கி) கிளம்பியவர்
138. □□□□□□□□□□□□□□□□ — ஸத்குருவை சென்றடைந்தவர்
139. □□□□□ — (குருவினால் சிஷ்யனாக) ஆமோதிக்கப்பட்டவர் / ஞான நறுமணம் கொண்டவர்
140. □□□□□□□□□□□□ — வேதாந்தத்தை அறிந்தவர்
141. □□□□□□□□□□□□□□□□ — ஒரே ஆனந்த ரஸமாக எப்போதும் இருப்பவர்
142. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஸ்ரீ பிரம்ம சூத்திரத்திற்கு வியாக்யானம் எழுதியவர்
143. □□□□□□□ — ஒரே தண்டத்தை கொண்டவர்
144. □□□□□□□□ — காவியை உடுத்தியவர்
145. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — பக்தர்களாகிய உலகத்தோர் (தமக்கு) மாணவர்களாகக் கொண்டவர்
146. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — கோவிந்த பகவத்பாதருக்கு பிரியமானவர்
147. □□□□□□□□□□□□□□□□ — (அவரது பூர்வாச்ரம புத்ரராகிய பர்த்ரு)ஹரியின் சக மாணவர்
148. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — கௌட(பாதரின்) பாதங்களைத் தொட்டு (வணங்கியவர்)

149. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ —  
 மாதங்க மஹாராணியின் வேண்டுகோளின்படி (அந்த ராஜ்ஜியத்தில்)  
 நல்தர்மத்தை ஸ்தாபித்தவர்
150. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ —  
 — யதிகளுக்கு தீர்த்த முதல் புரீ வரை (தசநாமி) ஸம்ப்ரதாயத்தை  
 ஏற்படுத்தியவர்
151. □□□□□□□□□□□□□□□□ — (முதியவர் வேடத்தில் வந்த) வியாசருடன்  
 வாதம் புரிந்தவர்
152. □□□□□□□□□□□□□□□□ — பல சிஷ்யர்களால் புடைசூழ்ந்தவர்
153. □□□□□□□□□□□□□□ — பத்மபாதரை (சிஷ்யனாக ஏற்று) பாதுகாத்தவர்
154. □□□□□□□□□□□□□□□□ — யோகத்தினால் ஹரனின் மலைக்கு  
 (கைலாயத்திற்கு) சென்றவர்
155. □□□□□□□□□□□□□□□□ — (சிவனார் அளித்த) ஐந்து லிங்கங்களை  
 எடுத்து வந்தவர்
156. □□□□□□□□□□□□□□□□ — (ஸௌந்தர்ய லஹரியின் முன் பகுதியாகிய)  
 ஆநந்தலஹரியை பெற்றவர்
157. □□□□□□□□□□□□□□□□ — கேதாரில் முக்தி லிங்கத்தை ப்ரதிஷ்டை  
 செய்தவர்
158. □□□□□□□□□□□□□□□□ — நேபாளத்தில் வர லிங்கத்தை வைத்தவர்
159. □□□□□□□□□□□□□□□□ — காச்மீரம் முதலான இடங்களில்  
 வசித்தவர்
160. □□□□□□□□□□□□□□□□ — கெட்ட வாதங்களுடைய மதங்களை  
 கண்டித்தவர்
161. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ —  
 ஹஸ்திகிரி (விஷ்ணு காஞ்சி) முதலான க்ஷேத்திரங்களுக்கு சென்றவர்
162. □□□□□ — நல்லறிவு உள்ளவர்

163. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (குமாரில) பட்டர் கூறிய (ஈசன் தேவையில்லை, கருமமே பலனளிக்கும் என்ற) ஸித்தாந்தத்தைக் கட்டுப்படுத்தியவர்
164. □□□□□□□□□□□□□□ — மண்டன மிசர் (மற்றும் அவரது பத்னியான) பாரதியை வெற்றி கொண்டவர்
165. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — பரகாய ப்ரவேசம் செய்து காம சாஸ்த்ர நுணுக்கங்களை அறிந்தவர்
166. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (பரகாய ப்ரவேசத்தின் போது) குறையில் (ஒளிக்கப்பட்டிருந்த தமது இயல்பு உடலை சிலர் எரிக்க முயன்ற போது) நரசிம்மரை வேண்டி எரிந்த தன் கரத்தாமரைகளை மீட்டுப்பெற்றவர்
167. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — கலைவாணியை வெற்றிகொண்டு ஸுரேஸ்வரரை துறவி ஆக்கியவர்
168. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஹஸ்தமலகரால் ஸேவிக்கப்பட்ட திருவடிகளைக் கொண்டவர்
169. □□□□□□□□□□□□□□□□ — தோடகாசார்யரால் நன்கு வணங்கப்பட்டவர்
170. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — சித்ஸுகர் உதங்கர் (போன்ற) நல்மாணவர்களால் வணக்கப்பட்ட திருவடியினர்
171. □□□□□□□□□□ — குணக்கடலானவர்
172. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — விருப்பப்படி (தனது மூல) சிவ வடிவம் எடுக்கக்கூடியவர்
173. □□□□□□□□□□ — கௌரியை ஈர்த்தவர்
174. □□□□□□□□□□ — உத்தமமான குரு
175. □□□□□□□□ — குருமார்களுக்கரசர்
176. □□□□ — நல்ல குணம் உடையவர்
177. □□□□□□ — (பக்தர்களைக்) காப்பவர்

178. □□□□□ — (ரகசியங்களை) ஒளிப்பவர்
179. □□□□□□□□ — மனித வடிவம் கொண்ட (தெய்வம்)
180. □□□□□□□□ — மமதையற்றவர்
181. □□□□□□□□□□ — நரகத்திற்கு எதிரி
182. □□□□□ — வணங்கத்தக்கவர்
183. □□□□ — தலைவர்
184. □□□□□□□□□ — அப்பழுக்கற்றவர்
185. □□□□□□□□□□□ — ஆசைகளை கட்டுப்படுத்தியவர்
186. □□□□□□□ — பகுக்க முடியாத (பிரமமே சொருபமானவர்)
187. □□□□□□ — என்றும் இருப்பவர்
188. □□□□□□□□□□□□□□□ — பெயர் உருவம் (இரண்டும் ப்ரஹ்மத்தைக் காட்டிலும் வேறு என்ற) விவேகம் உள்ளவர்.
189. □□□□□□ — பொய்யற்றவர்
190. □□□□□□□□□□□ — செயல்களுக்கப்பாற்பட்டவர்
191. □□□□□□□ — வலியற்றவர்
192. □□□□□□□ — ஆசைகள் இல்லாதவர்
193. □□□□□□□ — வியாதி இல்லாதவர்
194. □□□□□□□□□ — (யாருக்கும் தலை) வணங்கத் (தேவை) இல்லாதவர்
195. □□□□□□□□□□□□□ — ஸ்வதா (என்று சொல்லி செய்யும் பித்ரு காரியம்) இல்லாதவர் (ஸந்ந்யாஸி)
196. □□□□□□□□□□□□□□ — ஸ்வாஹா (என்று சொல்லி செய்யும் தேவ காரியம்) இல்லாதவர் (ஸந்ந்யாஸி)
197. □□□□□□□□□□ — (தனக்கு மேற்பட்ட) ஈசனில்லாதவர்
198. □□□□□□□□ — உருவற்ற (பரம்பொருளானவர்)

199. □□□□□□□□ — குணமற்ற (பரம்பொருளானவர்)
200. □□□□□□□□□ — புண்ணிய பாபமற்ற (பரம்பொருளானவர்)
201. □□□□□□□□□ — துக்கமற்றவர்
202. □□□ — வசீகரிப்பவர்
203. □□□□□□□□ — பற்றில்லாதவர்
204. □□□□□□□□□□ — என்றும் வலுவானவர்
205. □□□□□□ — உற்சாகமுள்ளவர்
206. □□□□□□□□□□□□ — திருப்தியான ஜனங்களால் ஆம்ரயிக்கப்படுபவர்
207. □□□□□□□□□□□□ — (ப்ரம்மஞான நிலையை) நேரடியாக அனுபவித்தவர்
208. □□□□□□□□□ — (ப்ரம்மஞான நிலைக்கு) அருகில் சேர்ப்பிப்பவர்
209. □□□□□ — தத்துவமறிந்தவர்
210. □□□□□□□□□ — (அன்றன்று) மாலை (எங்குள்ளாரோ அங்கேயே இரவு தங்கும்) வீடாக கொண்டவர்
211. □□□ — புலன்களை கட்டுப்படுத்தியவர்
212. □□□ — உண்மை வடிவினர்
213. □□□□□□□□ — உண்மை(பொருளான பகவானை) உபாஸிப்பவர்
214. □□□□□□□□□□ — சத்வ குணம் நிரம்பியவர்
215. □□□□□ — கலாசாரம் நிரம்பியவர்
216. □□□□□□□□□□ — அனைவருக்கும் நண்பர்
217. □□□□□□□□□□ — காமனை அழித்தவர்
218. □□□□□□□ — சிஷ்யர்களுடன் கூடியவர்
219. □□□□□□□□ — (வேத தாத்பரியத்தை) ஸங்க்ரஹம் செய்தவர்
220. □□□□□□□□ — மூத்தவர்



221. □□□ — சக்திமிக்கவர்
222. □□□□□□ — வாக்கு வன்மை மிக்கவர்
223. □□□□□□□□□□□□ — அளவோடு பேசுபவர்
224. □□□□□□□ — பேச்சை அடக்கியவர்
225. □□□□□□□ — மிக உயர்ந்தவர்
226. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — உரைகளை சரித்திரங்கள்  
(போல் அழகுற உருவாக்குவதில்) திறமிக்கவர்
227. □□□□ — எல்லாவற்றிலும் உயர்ந்தவர்
228. □□□□□□ — சுற்றிலும் இருக்கும் (பரம்பொருளானவர்)
229. □□□□□□ — பக்குவமானவர்
230. □□□□□□□□ — அறிவாளி
231. □□□□□□ — மகிழ்வுடன் இருப்பவர்
232. □□□□□□□□□ — பிரியமாக பேசுபவர்
233. □□□□□□□□□ — (தோஷங்களை) அறவே ஒழிப்பவர்
234. □□□□□□□□ — தஹர யோகம் அறிந்தவர்
235. □□□□□□□ — வணங்கிய இயல்பினர்
236. □□□□□□□□□□□□□□ — கேள்விகளுக்கு (பதில்களை) நிரூபித்தவர்
237. □□□□□□□□ — எல்லையை அடைந்தவர்
238. □□□□□□□□□ — பாசத்திலிருந்து விடுபட்டவர்
239. □□□□□□ — பரத்தை அறிந்தவர்
240. □□□□□□□□□□□□□□ — உள்நோக்கிய பார்வையுடையவர்
241. □□□□□□□□□□□□ — (ப்ரபஞ்சமாம் தோற்றத்திற்கு) ஆதாரத்தை  
அறிந்தவர்
242. □□□□□□□ — (அருள்மழைபொழிய) காரணமில்லாதவர்

243. □□□□□□ — ஒரே இறை எனும் வாதத்தை கொண்டவர்
244. □□□□□□□□ — இரட்டையை ஒப்பாதவர்
245. □□□□□□ — தன்னில் நிலைத்தவர்
246. □□□□□□□ — (மோக்ஷ நிலையில் தன்னை ஆள பிறர் இல்லாது) தன்னைத் தானே ஆள்பவர்
247. □□□□□□ — வியாபித்து ஆள்பவர்
248. □□□□ — மௌனமாய் இருப்பவர்
249. □□□□□□□□□□ — தானே ஒளிர்பவர்
250. □□□□□□□□□□□□ — (மற்றொருவரை எதிர்பாராமல்) தாமே திறமிக்கவர்
251. □□□□ — மேன்மை பொருந்தியவர்
252. □□□□□ — உருவமில்லாதவர்
253. □□□□□□□□ — (எளிதில்) விளங்காதவர்
254. □□□ □□□□□□□ — மிகவும் உயர்ந்த ஜோதியானவர்
255. □□□ □□□□ — மிகவும் உயர்ந்த பதவியானவர்
256. □□□ □□□ — மிகவும் உயர்ந்த உறைவிடமானவர்
257. □□□ □□□□□□ — மிகவும் உயர்ந்த எல்லையானவர்
258. □□□ □□□□□□ — மிகவும் உயர்ந்த சக்தியானவர்
259. □□□ □□□□ — மிகவும் உயர்ந்த கதியானவர்
260. □□□□ □□□ — மிகவும் உயர்ந்த சேருமிடமானவர்
261. □□□ □□□□□ — மிகவும் உயர்ந்த பொருளானவர்
262. □□□ □□□□□□ — மிகவும் உயர்ந்த பிரம்மமானவர்
263. □□□ □□□□ — மிகவும் உயர்ந்து முன்னின்றவர்
264. □□□□□□ — மிகவும் உயர்ந்ததை அடைவிப்பவர்

265. □□□ □□□□ — மிகவும் உயர்ந்த த்யானவிஷயமானவர்
266. □□□□□□□□□□□□□ — மிகுந்த சாந்தமே சொரூபமானவர்
267. □□□□□□□□ — திருப்தி செய்பவர்
268. □□□□□□□□□□□□□□□□ — ஞானம் தவிர வேறற்ற மூர்த்தியானவர்
269. □□□□□□□□□ — வழிநடத்திச் செல்பவர்
270. □□□□□□□□□□□□□□ — உள்ளிருக்கும் பொருளை அறிந்தவர்
271. □□□□□□□□ — நுண்ணிய அறிவுடையவர்
272. □□□□□□□□□ — உலகை உருவாக்கியவர்
273. □□□□□ — உலகின் (ஒவ்வொரு அம்சங்களையும்) அமைத்தவர்
274. □□□□□□□□□□□□□□□□ — வேதத்தினால் மட்டும் அறியத்தக்கதும் தன்னிடம் மட்டும் உள்ளதுமான (தனிப்) பெருமையை உடையவர்
275. □□□□□□□□□ — சத்தியத்தை விரதமாக கொண்டவர்
276. □□□□□□□ — சத்தியத்துக்கு அர்ப்பணமானவர்
277. □□□□□□□□□ — மூன்று காலத்துக்கும் சத்தியமானவர்
278. □□□□□□□□□ — சத்தியத்திற்கு நாயகன்
279. □□□□□□□□□□□□□□ — சத்தியத்தின் அடிப்படையில் (செயல்படுபவர்)
280. □□□□□□□□ — சத்தியமான வாழ்த்துகள் வழங்குபவர்
281. □□□□□□□□□□□□□□□□ — சத்திய ப்ரயோஜனமுடைய காரியங்களை ஊக்குவிப்பவர்
282. □□□ — (அனைத்தையும்) ஸமமாக பார்ப்பவர்
283. □□□□□□□ — (அனைத்தையும்) கவனித்துக்கொண்டிருப்பவர்
284. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — சத்சித் ஆனந்த வடிவானவர்
285. □□□□□□□□ — ஸத் அஸத் (இரண்டையும் பிரிப்பதில்) முனைந்தவர்
286. □□□□□□□□ — சத்தியமே வடிவானவர்

287. □□□□□□□□□□ — சத்தியத்தில் நன்கு நிலைத்தவர்
288. □□□□□ — (சிவனார் வடிவில்) மலைக்கு ஈசன்
289. □□□□□□□□□□□□ — மாணவர்களால் கொண்டாடப்படுபவர்
290. □□□□□□□□□□□□ — நாரதர் முதலியவரால் மிகவும் போற்றப்பட்டவர்
291. □□□□□ — (பகவானை) வணங்கும் சுபாவமுடையவர்
292. □□□□□□□□□□□□□□□□ — பெண்களோ ஆண்களோ (கண்டிராத) அபூர்வ வடிவினர்
293. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — வியாசர் ஜைமினி ஆகியோருடன் வாதம் புரிந்தவர்
294. □□□□□□□□□□ — சாரதையை வென்றவர்
295. □□□ — அடக்கம் கொண்டவர்
296. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஸுரேஸ்வராசார்யருக்கு தனக்கு (நிகரான ஸந்ந்யாஸ) ஆஸ்ரமத்தை கொடுத்தவர்
297. □□□□□□□□□□ — சிந்தனையாளர்களில் சிம்மம்
298. □□□ — (சூட்டினால்) முத்திரைகள் தரித்துக்கொள்வது போன்ற சாஸ்த்ரம் தடுத்த செயல்கள் அறவே அற்ற வைதிகமாக பாதையை அமைத்தவர்
299. □□□ — உமித்தீக்கூட்டத்தின் இடையே இருந்த குமாரில (பட்டரால்) வணங்கப்பட்டவர்
300. □□□ — கடினமான மலைகள் போன்ற துஷ்ட வாதங்களை (அழிக்கும்) வஜ்ராயுதமானவர்
301. □□□□□□□□□□ — கவி இயற்றுவதில் சிம்மம்
302. □□□ — மதம் பிடித்த யானைகள் போன்ற துர்வாதிகளை (வீழ்த்தும்) சிங்கம் போன்றவர்
303. □□□□□□□□□□ — கலியை நாசம் செய்பவர்

304. □□□□□□□□ — யோகத்தால் நோயை நீக்கியவர்
305. □□□□□□□□□□□□□□□□ — ஞான (பாதையை) திரிபற அறிந்தவர்
306. □□□□□□□□□□ — அளவற்ற பொலிவுடையவர்
307. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ —  
 ஜைனர்களின் இடைஞ்சல்கள் மற்றும் ஸ்தம்பன உச்சாடனங்களுக்கான  
 மந்த்ரங்களை முறியடித்தவர்
308. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — வைசேஷிகர்களின்  
 முக்கியமான கூற்றுகள் வறண்டுபோகும்படி செய்வதில் நிபுணர்
309. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — தலையாய  
 த்வைதிகளாகிய சைவர்கள் மற்றும் பாகவத மதத்தவர்களின் ஸாஸ்த்ரத்தை  
 நிராகரித்தவர்
310. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ —  
 காஞ்சீபுர நகரத்தை (ஆசார்யாளின் ஆஜைஞாப்படி மீண்டும்) நிர்மாணம்  
 செய்துகொடுத்த ராஜஸேனன் என்ற அரசனால் பூஜிக்கப்பட்டவர்
311. □□□□□□□□□□□□□□ — (ராஜஸேனன் மூலம்) வரதர் ஆலயத்தை  
 (புனர்)நிர்மாணித்தவர்
312. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஏகாம்ரநாதரின் இருப்பிடத்தை (ஜீர்ண)  
 உத்தாரணம் செய்(வித்)தவர்
313. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (காமாக்ஷி  
 மூலஸ்தானமாகிய பிலாகாச) குஹையில் இருந்த ஜீவகலையின் உக்ரத்தை  
 நீக்கியவர்
314. □□□□□□□□□□ — (சிவனார் வடிவில்) காலனையே கண்டித்தவர்
315. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — காமகோஷ்டம் (என்ற புண்ய) பூமியை  
 தன் விளையாட்டு இடமாக கொண்டவர்
316. □□□□□□□□□□□□□□□□ — (காமாக்ஷியாம்) காமகோடியின் பாதங்களை  
 ஆஸ்ரயித்தவர்

317. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — कामाक्षிக்கு (பலவித) சேவைகளை செய்தவர்
318. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — காலஹஸ்தீஸ்வரரை பூஜித்தவர்
319. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஸேஷாசலத்தின் உச்சியை எளிதில் அடைய அனுகூலமான படிக்கட்டை அமைக்கச்செய்தவர்
320. □□□□□□ — தெய்வீகமானவர்
321. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ □□□ — தெய்வீக பிரம்ம வர்சஸ் உடையவர்
322. □□□□□□□□ — தீனர்களை காப்பவர்
323. □□□□□□ — அல்பத்தனத்தை நீக்குபவர்
324. □□□□□□□ — தேவர்களுக்கும் தேவர்
325. □□□□□□□□□ — தீனர்களுக்கு உறவினர்
326. □□□□□ — அன்பிற்குரியவர்
327. □□□□□□□□□□□□□ — தீனர்களின் தீனத்தன்மையைப் போக்குபவர்
328. □□□□□□□ — தோஷங்களிலிருந்து தூரத்திலிருப்பவர்
329. □□□□□□□□□□ — துஷ்டர்களுக்கு எதிரி
330. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — துர்வாசரால் சிலாதிக்கப்பட்டவர்
331. □□□□ — அல்பத்தனம் இல்லாதவர்
332. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — பொருள் முதலியவற்றில் ஆசையை விட்டவர்
333. □□□□□□□ — குற்றங்களை (விலக்குவதற்காக அவற்றை) அறிந்தவர்
334. □□□□□□□□□ — தொலைவில் உள்ளவற்றை காண்பவர்
335. □□□□□□□□□□ — (வருங்காலத்தை) வெகுமுன்பே பார்க்கவல்லவர்
336. □□□□□□□□□□□□□ — மோசமான நிலையை அகற்றுபவர்

- 63

- 64



- 65

375. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — காமகோடி மஹா  
பீடத்தில் காணப்பட்ட பெரிய மணியைப் போன்றவர்
376. □□□□□□ — (சிவனார் வடிவத்தில்) யமனை அடக்கியவர்
377. □□□□□□ — விரும்பிய (பலன்களை) அளிப்பவர்
378. □□□□□□ — அன்பிற்குரியவர்
379. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — சாரதையை ஜயிக்கும் வாக்கை  
வாயில் கொண்டவர்
380. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — காமகோடி பூமியை தனது கொட்டில் போல்  
(இருப்பிடமாக) கொண்டவர்
381. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — யதிகளின் குழாமுக்கு தலையாயவர்
382. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — சிஷ்யர்கள்  
கூட்டத்திற்கு பர (வஸ்துவின்) ஞானமாகிய கொடி (வளருவதற்கான)  
ஊட்டச்சத்தை அளிப்பவர்
383. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — மடங்களின்  
ஆம்நாய (ஸம்ப்ரதாயங்களைத் தெரிவிக்கும்) பெரியதான ஆம்நாய ஸேது  
என்ற கேரள (தேசத்தில் ப்ரஸித்தமான?) நூலை யாத்தவர்
384. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — தீர்த்த  
முதல் புரீ வரையிலான சிஷ்ய ஸம்ப்ரதாயங்களைப் பாகுபடுத்தியவர்
385. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ —  
(அதில்) ஸரஸ்வதீ என்பதற்கு முன்பு ஆநந்த இந்த்ர (என்ற இரு) பதங்களும்  
(தனித்தனியே பயன்படுத்தப்படுவதற்கான) முறையையும் (வகுத்தவர்)
386. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஆநந்தமய  
(அதிகாரண தெளிவாக்கத்தால் லௌகிக) ஆநந்தமே ப்ரஹ்மம் (என்று  
சொல்பவர்களை) ஜயித்து புகழ்பெற்ற சொல்லாண்மையை உடையவர்
387. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — யோகேஸ்வரரை ஆராதிப்பதில்  
முனைந்தவர்

388. □□□□□□ — யோக்யதை உடையவர்
389. □□□□□□□□ □□□ — யோகம் அறிந்தவர்களில் சிறந்தவர்
390. □□□□□□□□ — செளக்கியமாக இருப்பவர்
391. □□□□□□□□ — அசைக்க முடியாதவர்
392. □□□□□□□□ — மென்மையானவர்
393. □□□□□□□□□ — அழியாதவர்
394. □□□□□□ — உறுதித்தன்மையே (வடிவமானவர்)
395. □□□□□□□□□□□□ — (தன் சுய) நிலையில் (உறுதியாக நிற்கும் தன்மையை) அருள்பவர்
396. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (அவதார இறுதியில்) ஸத்யவ்ரதம் (எனப்படும் காஞ்சீ) க்ஷேத்ரத்தில் ப்ரஹ்மத்தில் ஒன்றியவர்
397. □□□□□□□□□ — உடலற்றவர் (உடலில் அபிமானம் அற்றவர்)
398. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — தாண்டுவதற்கரியதான எல்லையற்ற(தாகத் தோன்றும்) ஸம்ஸாரத்தின் எல்லைக்கு சேர்ப்பிக்கும் படகானவர்
399. □□□ — (காமம் க்ரோதம் முதலிய) எதிரிக்கூட்டங்களை அறுத்ததால் சாந்தமடைந்த மனதினால் (ப்ரஹ்ம ஸ்வரூபமாகிய) தன் பெருமையை அறியக்கூடியவர்
400. □□□□□□□□ — சோர்வில்லாதவர்
401. □□□□□□□□ — ஒப்பிட முடியாதவர்
402. □□□□□□□□□□ — நன்னடத்தை உடையவர்
403. □□□□□□□□□□ — தரிசனம் செய்ய உகந்தவர்
404. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (ந்யாயம் முதலிய) ஆறு தரிசனங்கள் (என்ற சாஸ்த்ரங்களில்) கரைகண்டவர்

405. □□□□□□□□□□□□□□ — (வர்ணம் பதம் முதலியதாக உபாஸனா ஸாஸ்த்ரங்களில் சொல்லப்படும்) ஆறு பாதைகளையும் கடந்த (ப்ரஹ்மத்தில் ஒன்றிய) மனதை உடையவர்
406. □□□□□ — குற்றமில்லாதவர்
407. □□□□□□□ — வெல்ல இயலாதவர்
408. □□□□□ — தாபப்படாதவர்
409. □□□□□□□□□ — மிரளச்செய்யவியலாதவர்
410. □□□□□□□□□ — மீண்டும் பிறவாதவர்
411. □□□□□□ — சுத்தமானவர்
412. □□□□□□ — தன் சொருபத்தை அறிந்தவர்
413. □□□□□□□□□□□□□□ — விழிப்படைந்த ஆத்மாவானவர்
414. □□□□□□ — (பிறவி) பயன்பெற்றவர்
415. □□□□□□□□ — பலமான (ஞான) ப்ரகாசமுடையவர்
416. □□□□□□□□ — ஆபத்துகளில் இருந்து மீட்டெடுப்பவர்
417. □□□□□□□ — (சம தமாதி குணங்களால் ஞானத்தீ) நன்கு ஓளிரப்பெற்றவர்
418. □□□□□□□□□□□□□□ — (சமயோசித புதிய யோசனைகள் வரக்கூடிய) அறிவுக்கூர்மை நிறைந்தவர்
419. □□□□□□□ — சாரத்தை அறிந்தவர்
420. □□□□□□□□□□□□□□ — எல்லா சாஸ்த்ரங்களையும் அறிந்தவர்
421. □□□□□□□□□□□□□□ — அமுதமனைய இனிய மொழியினர்
422. □□□□□□□□□□□□ — சூக்கும அறிவுள்ளவர்
423. □□□□□□□□□□ — மோகமென்னும் இருளுக்கு சூரியன் போன்றவர்
424. □□□□□□□ — பெரும் புகழ்கொண்டவர்
425. □□□□□□□ — பெரும் ஒழுக்கத்தை கொண்டவர்

- 69

445. □□□□□□ — ஆசைகள் இல்லாதவர்
446. □□□□□□□□□□ — அன்னை போன்ற அன்புடையவர்
447. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — காம  
ஸாஸ்த்ர கலையை அறிய (ஒரு இறந்த அரசனின் சரீரத்தில்) பரகாய  
ப்ரவேசம் செய்தவர்
448. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ —  
(அவ்வடிவில்) சிறந்த காவ்யத்தை நிர்மாணித்ததால் உயர்ந்த கவி என்ற  
புகழைப் பெற்றவர்
449. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — இனிமையில் முன்னிற்கும்  
சொற்களைக் கொண்டவர்
450. □□□□□□□□□□□□□□□□ — மதுரையை (ஆண்ட) அரசனால் மதிக்கப்பட்டவர்
451. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஜ்யோதிபுரத்தின் அரசனால்  
வணங்கப்பட்டவர்
452. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஜயபுரத்துக்கு அப்பாலும் வசித்தவர்
453. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — விருபாக்ஷ தலத்தில் நெடிது தங்கியவர்
454. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — விஜயபுரத்திற்கு (விஜயம்) செய்தவர்
455. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — விதிஸா தேசத்தில் மகிழ்ந்திருந்தவர்
456. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — விஸ்வநாதபுரியான (காசியை)  
விரும்பியவர்
457. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — பாடலிபுத்திரத்தில் தங்கியவர்
458. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (கயா) விஷ்ணுபாதத்தை நன்கு  
சேவித்தவர்
459. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — கயாவில் ஆலமரத்தடியில் தங்கியவர்
460. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — பத்ராசலத்தில் ஆழ்ந்த அபிமானமுள்ளவர்
461. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — பிருந்தாவன பகுதியில் சஞ்சரித்தவர்

- 71

482. □□□□□□ — மிக்க புத்திமான்
483. □□□□□□□□□□ — (யோக) ஆஸன மார்க்கத்தை அறிந்தவர்
484. □□□□□□□□□□□□□□□□ — ஜைனர்களின் அத்துமீறல்களை பொசுக்கியவர்
485. □□□□□□□□□□□□□□ — பெருந்தன்மைக்கு இருப்பிடமானவர்
486. □□□□□□ — பாதிக்கப்படாதவர்
487. □□□□□ — சாமர்த்தியமானவர்
488. □□□□□□□□□□□□□□□□ — தென் திசையிலிருந்து (வந்த) ஸித்தர்
489. □□□□□□□□□□□□ — முக்காலமும் அறிந்தவர்
490. □□□□□□□ — இறை நம்பிக்கையாளர்
491. □□□□□□□ — கட்டளை பிறப்பிப்பவர்
492. □□□□□□□ — சாதரண மனிதனினும் அதிக சக்தி உடையவர்
493. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — காபாலிக மத வழிமுறைகளை த்வம்ஸம் செய்தவர்
494. □□□□□□□□□□□□□ — (லௌகிக) ஆசைகளில் ஈடுபட்ட பெண்களிடம் பாராமுகமானவர்
495. □□□□□□ — நண்பனாக கருதத்தக்கவர்
496. □□□□□□□□□□ — கர்மானுஷ்டானங்களின் பலனை எதிர்பாராதவர்
497. □□□□□□□ — கர்மானுஷ்டானங்களுக்கு ஹிதமானவர்
498. □□□□ — செய்யவேண்டியவற்றை செய்துவிட்டவர்
499. □□□□□□□□□□□□□□ — கல்யாண குணங்களை உடையவர்
500. □□□□□□□□□□□□□□ — செயல்களிலிருந்து விடுபட்டவர்
501. □□□□□□□ — கிருபையால் நிறைந்தவர்
502. □□□□□□□□□□□ — புகழுடையவர்



503. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — யோக லிங்க பூஜையை செய்தமையால் உலக மக்களைக் காத்தவர்
504. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — தம்மில்லபுரம் என்ற ராஜ்யத்தில் பாலா (த்ரிபுரஸுந்தரியை) அர்ச்சிக்கும் அரசனால் பூஜிக்கப்பட்டவர் (?)
505. □□□□□□□□□□□□□□ — வேதாந்தத்தில் சூரியன் போன்றவர்
506. □□□□□□□□□□□□□□ — ஞானத்தில் சந்திரன் போன்றவர்
507. □□□□□□□□□□□□□□ — சகல ஐஸ்வர்யங்களையும் பொழிபவர்
508. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — நேபாள தேச அரசனான வருஷ தேவனுக்கு உபதேசித்தவர்
509. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — கைலாஸ பர்வதத்தில் சிவனை பூஜிக்கும் வழிமுறை வகுத்தவர்
510. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — புத்தமதக்கூட்டத்தை நீக்குவதில் திறம்பெற்றவர்
511. □□□□□□□□□□□□□□ — வைராக்யத்தை போதிப்பவர்
512. □□□□□□□□ — அறிவாளிகளுக்குள் மணி போன்றவர்
513. □□□□□□□□□□ — தெய்வீக (ஞான) த்ருஷ்டி உடையவர்
514. □□□□□□□□□□□□□□ — (பூமியில் அதர்மம் பெருகியதால் ஏற்பட்ட) தேவர்களின் வருத்தத்தை அகற்றியவர்
515. □□□□□□ — குழப்பம் இல்லாதவர்
516. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ப்ரஸன்னமடைந்த லக்ஷ்மியால் ஏழை அந்தணப்பெண்ணுக்கு செல்வம் கொடுப்பித்தவர்
517. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — முழுதும் மலர்ந்த பூவனைய மெல்லிய அரும்பு போன்ற புன்முறுவலை உடையவர்

- 74

- 75

545. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஹிம்ஸிக்கக்கூடிய  
மிருகங்கள் (தாமே) விலகியளித்த செல்லவேண்டிய பாதைகளில்  
ஸஞ்சரித்தவர்
546. □□□□□□□□□□□□ — காற்றினால் எப்போதும் அனுகூலம் செய்யப்பட்டவர்
547. □□□□□□□ — (நீங்காத) செல்வம் உடையவர்களில் சிறந்தவர்
548. □□□□□□□ — மௌனமாக இருப்பவர்
549. □□□ — சிறந்தவர்
550. □□□□□□□□□□□□□□□□ — (செல்லும் பாதையில் அந்தந்த  
ஊர்மக்களின் வினையால் ஏற்பட்ட) அஸுப அடையாளங்கள் தாமே  
அடங்கப்பெற்றவர்
551. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — தூசிகளற்ற (சுத்தமான)  
பாதைகளில் சென்றவர்
552. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ —  
பனி (அல்லது நதி/மழை நீர்) தெறித்துபட்டதனால் மிருதுவான (சத்து)  
மாவை (மட்டும்) சாப்பிடுவதை வழக்கமாகக் கொண்டவர்
553. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — மகரந்தத் (தேன்) வழிவது  
போல் மதிக்கத்தக்க இனிமையான சொற்கள் கொண்டவர்
554. □□□□□□□ — பெரும் புலவர்
555. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — அலைபுரளும்  
(நர்மதா) நீர்ப்பிரவாஹத்தை கமண்டலுவுக்குள்ளே அடக்கியவர்
556. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ —  
— (நீரில் இறங்கியும்) அழியாத திருநீறும் நனைந்த வஸ்தரத்தின்  
நுனிப்பகுதியில் மீன்களும் கூடியவர்
557. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — எல்லைக் கரையில் ஸமுத்ரத்தை  
விரட்டியவர் (கதை தேட வேண்டும்)

558. □□□□□□□□□□□□□□□□ — இறந்தவர்களை உயிர்ப்பிக்கவல்ல பார்வையை உடையவர் (கோகர்ணத்தில் அவ்வாறு ஆசார்யாள் செய்ததாக சரித்ரம்)
559. □□□□□□□□□□□□□□□□ — பெரும் வியாதிகளை குணமாக்குபவர்
560. □□□□□□ — செருக்கை அழிப்பவர்
561. □□□□□□□□□□□□ — மிருகங்களை தன்வசம் கொண்டவர்
562. □□□□□□□□□□□□□□□□ — ஜடம் கூன் உடையவர் முதலியோரிடமும் (கருணையுடன்) ஸம்பாஷித்தவர் (ஹஸ்தாமலகர் ஜடம் போல் காட்சியளித்தவர்)
563. □□□□□□□□□□□□□□□□ — கொடிகளிலிருந்து (தானாக உதிர்ந்த) பூக்களால் அர்ச்சனை செய்தவர்
564. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (காட்டுப்பகுதிகளில் ஸஞ்சரிக்கையில்) ஓநாய்க்கூட்டங்கள் முன்செல்லப்பெற்றவர்
565. □□□□□□□□□□□□□□□□ — (இரவில்) உறங்கவில்லையா என்று ஆந்தைகளால் கேட்கப்பெற்றவர்
566. □□□□□□□□□□□□□□□□ — (காலையில்) காக்கைகளால் ஸுப்ரபாதம் பாடப்பெற்றவர்
567. □□□□□□□□□□□□□□□□ — (பாறைகள் முதலியவற்றிலிருந்து விலகி) செளகரியமாக அமர ஸர்ப்பங்களால் ஆஸனம் அளிக்கப்பட்டவர்
568. □□□□□□□□□□□□□□□□ — (மழைக்காலத்தில்) இனிய பாடகர்களின் கோஷ்டியை உருவாக்கும் தவளைகளால் (உபசரிக்கப்பட்டவர்)
569. □□□□□□□□□□□□□□□□ — தேனீக்களால் (தேனாகிய மதுபர்க்கம் அளித்து) அதிதி உபசாரம் செய்யப்பட்டவர்
570. □□□□□□□□□□□□□□□□ — புலிகளால் வரவேற்பு சொல்லப்பெற்றவர்
571. □□□□□□□□□□□□□□□□ — (பாறை முதலியவற்றிலிருந்து எழுந்துகொள்ளும்போது அப்பால் சென்று விழுவதால்) தேள்களால் சரியாக உதறிக்கொண்டீரா என்று நிம்சயம் செய்விக்கப்பட்டவர்

572. □□□□□□□□□□□□□□□□ — நீர்வீழ்ச்சிகளில் நன்கு நீராடியவர்
573. □□□□□□□□□□□□□□□□ — மேகங்களால் எண்ணெய் தேய்த்துக்கொள்வது போல் (உடலைப் பளபளக்கவைக்கும் மழை) பொழிவிக்கப்பட்டவர்
574. □□□□□□□□□□□□□□□□ — பெருங்காற்றுகளால் நன்று விசிறிவிடப்பட்டவர்
575. □□□□□□□□□□□□□□□□ — மரங்களால் வெயிலிலிருந்து நன்கு பார்த்துக்கொள்ளப்பட்டவர்
576. □□□□□□□□□□□□□□□□ — ஸிம்ஹங்களைப் போல் (கம்பீரமாக) அமர்பவர்
577. □□□□□□□□□□□□□□□□ — மலைப்பாம்புகளைப் போல் (ஒரு முறை) போதுமான அளவு உண்டு (வெகு காலம் த்ருப்தியுடன்) இருப்பவர்
578. □□□□□□□□□□□□□□□□ — மதம்பிடித்த யானைகளானைய அழகிய புன்முறுவல் உடையவர்
579. □□□□□□□□□□□□□□□□ — குறைகளில் ஸுகமாக தங்கியவர்
580. □□□□□□□□□□□□□□□□ — (ஆங்காங்கு) எளிதில் கிளம்பி போவதற்கு பெருங்காட்டினால் (நல்ல பாதை அளிக்கப்பட்டவர்)
581. □□□□□□□□□□□□□□□□ — காக்கைகளால் சுப சகுனமாக கரையப்பெற்றவர்
582. □□□□□□□□□□□□□□□□ — குளங்களில் த்ருப்தியாக நீர் பருகியவர்
583. □□□□□□□□□□□□□□□□ — பழுத்த மரங்களினால் நன்கு உண்டவர்
584. □□□□□□□□□□□□□□□□ — பூமி தூசி (உடல்முழுதும் சந்தனம்போல்) நன்கு பூசப்பெற்றவர்
585. □□□□□□□□□□□□□□□□ — கந்தராதையை உயர்ந்த வஸ்த்ரம் போல் தரிப்பவர்
586. □□□□□□□□□□□□□□□□ — ஜபங்கள் நன்கு நடக்கின்றனவா என்று (விசாரிப்பதுபோல் இடையூறு செய்யாமல்) கரடிகள் அப்பால் செல்லப்பெற்றவர்

587. □□□□□□□□□□□□ — சாதக (பறவைகள் குரல் கொடுப்பதால்) பாராட்டப்பட்ட (உபநிஷத் முதலிய) உயர்ந்த பாராயணம் செய்தவர்
588. □□□□□□□□□□□□□□□□ — நன்கு உறங்கினீர்களா என்று குரங்குகளால் (வந்து விசாரிக்கப்பட்டவர்)
589. □□□□□□□□□□□□□□□□ — அழகிய பாட்டுகளால் குயில்களால் போற்றப்பட்டவர்
590. □□□□□□□□□□□□□□□□ — (காலையில் இங்குமங்கும் ஸஞ்சரிக்கையில்) முள்ளம்பன்றிகளால் (எங்கள் மேல் மோதிக்கொள்ளாமல் இருக்க) நன்கு விழித்துக்கொண்டீர்களா என்று விசாரிக்கப்பட்டவர்
591. □□□□□□□□□□□□□□□□ — பகல் காரியங்களுக்கு சூரியனால் அனுகூலம் செய்யப்பட்டவர்
592. □□□□□□□□□□□□□□□□ — இரவு காரியங்களுக்கு சந்திரனால் அனுகூலம் செய்யப்பட்டவர்
593. □□□□□□□□□□□□□□□□ — பகல் இரவும் சேர்ந்து அனுகூல பொழுதுகள் அளிக்கப்பட்டவர்
594. □□□□□ — (நிர்குண ஸ்வரூபத்தில்) வாக்கு அற்றவர்
595. □□□□□ — (நிர்குண ஸ்வரூபத்தில்) உடலற்றவர்
596. □□□□□□□ — (நிர்குண ஸ்வரூபத்தில்) மனம் அற்றவர்
597. □□□□□ — தண்டம் ஏந்தியவர்
598. □□□□□□□□□□□□ — தவைதம் எனும் இருளுக்கு சூரியன் போன்றவர்
599. □□□□□□□ — (ஆளுகை, தர்மம், புகழ், செல்வம், ஞானம், வைராக்யம் ஆகிய) ஆறு குணமுடைய (பகவத்ஸ்வரூபமானவர்)
600. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (இருக்கலாம், இல்லாமல் போகலாம் முதலிய) ஏழு விதமாக “இருக்கலாம்” என்று சொல்லும் (ஜைன மதத்தை) உடைத்தவர்
601. □□□□□□□□□□□□□□□□ — எட்டு (பெரிய) சித்திகள் உடையவர்

- 80



- 81

628. □□□□□□□□□□□□□□□□ — (முதல் ஆம்னாயத்திற்கு) துவாரகா மடத்தை நிர்மாணித்தவர்
629. □□□□□□□□□□□□□□□□ — காளிகா(வை ஆம்னாய ஸக்தியாகக் கொண்ட) பீடத்தை உருவாக்கியவர்
630. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (ஆம்னாய ஈஸ்வரராக) ஸித்தேஸ்வரரை வழிபட்டவர்
631. □□□□□□□□□□□□□□□□ — (ஆம்னாய ஸக்தியான) பத்ரகாளியை சந்தோஷப்படுத்தியவர்
632. □□□□□□ — (ஆம்னாய வேதமான) ஸாமவேதத்தை ஓதியவர்
633. □□□□□□□□□□ — பூச்சிகளை இம்சிக்காமல் இருக்கும் (ஆம்னாய) விரதம் கொண்டவர்
634. □□□□□□□□□□□□□□□□ — கோமதீ (என்னும் நதியை ஆம்னாய) தீர்த்தமாக சேவித்தவர்
635. □□□ — (ப்ரஹ்ம) ஸ்வரூபர் என்ற ப்ரஹ்மசாரிக்கு ஆசானான பத்மபாதருக்கு வழிகாட்டியவர்
636. □□□□□□ — (இந்த ஆம்னாயத்திற்கு தஸநாமிகளில்) ஆஸ்ரம எனும் பட்டம் அளித்தவர்
637. □□□ — (ஸாமவேதத்தின்) தத்த்வமஸி (என்பதை) முதலாகக் கொண்டு (உபதேசித்த) மஹா வாக்கிய வடிவானவர்
638. □□□□□□□□□□□□□□□□ — (இரண்டாம் ஆம்னாயத்திற்கு) ஜ்யோதிர் மடத்தை நிறுவியவர்
639. □□□ — ஜ்யோதிஷ்மதீ பீடத்துக்கு வழிகாட்டியவர்
640. □□□ — பதரிகாஸ்ரமத்தை இருப்பிடமாகக் கொண்டவர்

- 83

- 84

- 85

678. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ —  
முப்பத்திரண்டு வயதிற்குள் மும்முறை பூமியை (பாரதத்தை) ப்ரதக்ஷிணம்  
செய்தவர்
679. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — சேது முதல்  
இமாலயம் வரை தர்மத்தை நிலைநிறுத்திய ஆசிரியர்
680. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ —  
தம் வித்யையால் பரவசமான அனைத்து தேசத்து அறிஞர்களாலும்  
பூஜிக்கப்பட்டவர்
681. □□□□□□□□□ — உலகிற்கே குரு
682. □□□□□□□□□ — (ஈசனார் வடிவில்) உலகின் பிறப்பு (இருப்பு  
மறைவுகளுக்கு) இடமானவர்
683. □□□□□□□□□□□□ — (ஈசனார் வடிவில்) ஸாஸ்த்ரங்களின் பிறப்பிடம்
684. □□□□□□□ — (முரணாகத் தோன்றும் வேதாந்த வாக்யங்களை)  
ஒருங்கிணைத்தவர்
685. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — தெளிவாகவும்  
தெளிவின்றியும் பரம்பொருளைக் குறிப்பவற்றை (அறிந்தவர்)
686. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஸாங்க்ய யோக (ஸாஸ்த்ரங்களை)  
பரிசீலித்தவர்
687. □□□□□□□□□□□□□□ — இலக்கணம் கூறுபவர்களின் கருத்தை  
பரிசோதித்தவர்
688. □□□□□□□ — வசிஷ்டர் (போல் பிறரின் தாக்குதலை எளிதில்  
சமாளித்தவர்)
689. □□□□□□□□□ — (பரம்பொருள் வடிவில்) விண்ணை ஆடையாக  
கொண்டவர்
690. □□□□□□□□□□□□□□□□ — ந்யாய ஸாஸ்த்ரத்தின் (குறைகொண்ட)  
வாதங்களை முடக்கியவர்

691. □□□□□□□□□□□□□□ — வைசேஷிகர்களின் கருவத்தை அடக்கியவர்
692. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — புத்த மதத்தினரின் செருக்கை சீர்குலைத்தவர்
693. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஜைமினீயத்தின் குறுகிய பார்வையை முறியடித்தவர்
694. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — திகம்பரர்கள் கொண்டு வந்த கடைசி வாதங்களையும் அழித்தவர்
695. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — பாசுபதர்களின் செயல்பாடுகளை சிதறடித்தவர்
696. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஆத்மா (இல்லை, அனைத்தும்) சூன்யமே என்னும் வாதத்தை வீழ்த்தியவர்
697. □□□□□□□□□□□□□□ — (ஸங்கர்ஷணன் முதலிய நான்கு வடிவங்களே இறைவனின் உண்மை வடிவம் என்ற) பாகவத மதத்தை வென்றவர்
698. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — வலுத்த ந்யாயங்களால் கம்பீரமாகவுள்ள பாஷ்யத்தை விளையாட்டாக இயற்றியவர்
699. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஜீவனின் சரிதத்தை விளக்கியவர்
700. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — பிரபஞ்சத்தின் தோற்றத்தை கற்றுணர்ந்தவர்
701. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — இருப்பின் எல்லைகளை பாகுபடுத்த தெரிந்தவர்
702. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — பிரளயத்தின் பொருளை தெளிவாக்கியவர்
703. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — சம்சாரத்தின் தத்துவத்தை அலசியவர்
704. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — மாயா தத்துவத்தை நிரூபணம் செய்தவர்

705. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ —  
அவித்யையால் ஏற்பட்ட பிரமையை அதன் காரணத்துடன் வேரறுப்பதில்  
வல்லுநர்
706. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஸம்ஸாரத்தைத்  
தாண்டும் வழியைக் காட்டுவதில் மிகவும் திறமுள்ள வாக்கினர்
707. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (அத்வைத)  
ரஸிகர்களுக்கு உவகையளிக்கும்படி மஹாவாக்யங்களை செம்மையுற  
விளக்கியவர்
708. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — உள்ளர்த்தத்தை  
முக்கியமாகக் கொண்ட அமருக ஸத ஸ்லோகி என்ற நூலை இயற்றியவர்
709. □□□  
— ப்ரஹ்ம ஸூத்ரம், உபநிஷதம், கீதை ஆகிய ப்ரஸ்தானங்களுக்கு  
விரிவுரை எழுதியவர்
710. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — உள்ளிருக்கும்  
பிரமத்துடன் ஐக்கியம் பெறும் வழியைக் காட்டியவர்
711. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — மோக்ஷத்தின் பாதையைக் காட்டியவர்
712. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — எப்போதும்  
உபநிஷதங்களின் சொற்றொடர்களுையே சிந்தித்து வந்தவர்
713. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — வேதாந்தமெனும் அரண்யத்தில்  
ஸிம்ஹம் போன்றவர்
714. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — தத்துவ ஞானத்தில் பரந்த  
சமுத்திரமனையவர்
715. □□□□□ — இளைஞர்
716. □□□□□□□□□□ — (ஆனால்) இளம் பெண்களிடம் ஈடுபாடில்லாதவர்
717. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — சந்த்ரனைப் போன்ற பொலிவுடையவர்



718. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — கடை தேற்றும் பிரம்ம தத்துவத்தை அறிந்தவர்
719. □□□□□□ — தவமியற்றியவர்
720. □□□□□□□□□ — தவசிகளைப் பின்பற்றுபவர் (அல்லது) தவசிகளான சீடர்களை உடையவர்
721. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (உடல், இயற்கை, பிராணிகள் ஆகிய) மூன்றாலும் ஏற்படும் இன்னல்கள் அற்றவர்
722. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — மிருதுவான சொற்களால் (மாற்றுக்கருத்துகளை) நிராகரித்தவர்
723. □□□□□□□□ — (மனவடக்கம் மற்றும் புலனடக்கம் ஆகிய) அலங்காரங்களைக் கொண்டவர்
724. □□□□□□□□□□□□□□ — (உலக ரீதியில்) மிகவும் மதிக்கத்தக்கவர்களால் நாடப்பட்டவர்
725. □□□□□□□□ — (தன் சொருபமாகிய) ஆத்மாவை (உலகின் காரணமான ப்ரஹ்மமாக) அறிந்தவர்
726. □□□□□□□□□□□□□□ — ப்ரஹ்மமாகிய (உலகின் காரணத்தை தன் சொருபமான ஆத்மாவாக) உணர்ந்தவர்களுள் சிறந்தவர்
727. □□□□□□□□□□ — வேதத்திற்கு ஹிதமானவர்
728. □□□□□□□□□□ — தாமே ப்ரஹ்மமாக ஆனவர்
729. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — தனது இருப்பிடமாக விரும்பிய (மதிக்கத்தக்க) காஞ்சியிலேயே நிலைத்தவர்
730. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — புண்ணிய தலங்களுக்கு யாத்திரை செய்தவர்
731. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (ஆறாவது) ஊர்தவ (மேலான) ஆம்னாயத்தின் தத்துவப் பொருளை உணர்ந்தவர்

732. □□□□□□□□□□□□□□□□ — (தானொன்றே இருப்பதாகிய) கைவல்யமெனும் க்ஷேத்ரத்திற்கு விஜயம் செய்தவர்
733. □□□□□□□□□□□□□□□□ — சுத்தமான மனதையே தீர்த்தமாகக் கொண்டவர்
734. □□□□□□□□□□□□□□□□ — (உலகிற்கு உச்சியான) மேருவின் அடியை (மடமாகக் கொண்டு) ஸஞ்சரித்தவர்
735. □□□□□□□□□□□□□□□□ — மாயையை (பீடத்தின்) ஸக்தியாக பூஜித்தவர்
736. □□□□□□□□□□□□□□□□ — (இந்தர ஸரஸ்வதி முதலிய பட்டங்களுக்கு பதில்) ஸத்யம் ஞானம் என்ற பெயர்களாலேயே அழைக்கத்தக்கவர்
737. □□□□□□□□□□□□□□□□ — இடையறாத ஆனந்த மூர்த்தியானவர்
738. □□□□□□□□□□□□□□□□ — ஸோஹம் (அதாவது) சிவனே நான் என்பதை (மஹா)வாக்யமான செல்வமாகக் கொண்டவர்
739. □□□□□□□□□□□□□□□□ — (ஏழாவது) உள்ளிருக்கும் ஆம்னாயத்தை அறிந்தவர்
740. □□□□□□□□□□□□□□□□ — (ஸம்ஸார) தோஷங்களற்ற ஈஸ்வரனை வழிபடுபவர்
741. □□□□□□□ — செல்வத்தை உண்டு செய்பவர்
742. □□□□□□□□□□□□□□ — சம்பிரதாயங்களை (வகுத்தளித்தமையால்) தாங்கியவர்
743. □□□□□□□□□□□□□□□□ — வித்யையை (ஸக்தியாகக் கொண்ட) பீடத்தின் மஹா யோகி
744. □□□□□□□□□□□□□□□□ — பரமாத்மாவையே (பீடத்தின்) மடமாக ஆஸ்ரயித்தவர்

745. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (அறிவு அறிபவன் அறியப்படுவது என்னும்) த்ரிபுடியே (பீடத்தின்) தீர்த்தமாகக் கொண்டு அதில் நீராடியவர்
746. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — யோகத்தையே (பீடத்தின்) க்ஷேத்ரமாகக் (கொண்டு அதனை ப்ரகாஸிக்க வைக்கும்) ஸூர்யனானவர்
747. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஸ்ரீவித்யையை (பீடத்தின்) ஸக்தியாகக் (கொண்டு) ஜபத்தினால் (உபாஸித்தவர்)
748. □□□□□□□ — மந்த்ரங்களின் (இருப்பிடமானவர்)
749. □□□□□□□□□□□□ — (தன்னில்) சந்தோஷித்து இருப்பதையே ஸம்ப்ரதாயமாகக் கொண்டவர்
750. □□□□□□□□□□□□□□□□ — பரமஹம்ஸ (நிலையையே ஈஸ்வர ஸ்வரூபமாகக் கொண்ட அத்தகைய நான்காம் நிலையிலுள்ள) ஸந்ந்யாஸி
751. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — பொலிவுடன் தன்னில் நிலைபெற்ற ப்ரஹ்மசர்யத்தைக் கொண்டவர்
752. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (ஐம்பது) மாத்ருகா வர்ணங்களையும் ஒரே மஹாவாக்ய வடிவில் (பார்ப்பவர்)
753. □□□□□□□□□□□□ — உடலைப் பார்க்கும் ஸாக்ஷி சைதன்ய வடிவமான (ஆம்னாய பீடாதிபதியானவர்)
754. □□□□□□□ □□□ — (உலகில்) அழியாதவை (என்று ப்ரஸித்தமானவற்றைக்) காட்டிலும் பெரியவர்
755. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (எட்டாவது) நிஷ்கல ஆம்னாயத்தில் நிலைபெற்றவர்
756. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — சாந்தமும் பொறுமையும் உடையவர்
757. □□□□□ — சைதன்யத்தையே (சக்தியாகக் கொண்டவர்)
758. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஆனந்த பீடத்தில் உறைந்தவர்
759. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — சுய அனுபவமே க்ஷேத்ரமாகக் கொண்டவர்

760. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (ஸாஸ்த்ரத்தில்)  
நம்பிக்கையாலும் (மற்றவர்களிடத்தில்) நட்பாலும் அறியத்தக்க  
(சொருபத்தினர்)
761. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஸச்சித் (ஸ்வரூபமே) மடமாகக்  
கொண்டவர்
762. □□□□□□□□□□ — ஆகாயமே தீர்த்தமாகக் கொண்டவர்
763. □□□□□□□□ — ஆகாயம் (போன்று ஸூக்ஷ்மமாக உள்ள பரம்பொருளைப்)  
பார்த்தவர்
764. □□□ — ஆகாயம் (முதலிய சொற்களால் உபநிஷத்துகளில் சொல்லப்பட்ட  
பரம்பொருளானவர்)
765. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — சைதன்யம் மற்றும் அதன் ஸக்தி இவற்றை  
சிந்திப்பவர்
766. □□□□□□□□□□□□ — ப்ரணவத்தில் அமிழ்ந்தவர்
767. □□□□□ — (தமது குருமார்கள் விஷயத்தில்) வணங்கிய (உடலுறுப்புகளைக்)  
கொண்டவர்
768. □□□□□□□□□□□□□□□□ — நந்த கோப குமாரனை பூஜித்தவர்
769. □□□□ — (தன்னைக் காட்டிலும் பெரியது இல்லாத) பெரும்பொருளானவர்
770. □□□□□□□□□□□□□□□□ — பிரமானந்தம் என்ற பெயர் கொண்ட  
(ஸ்வரூபத்தினர்)
771. □□□□□□□ — (ஸாக்ஷி ஸ்வரூபமாக) மாறாமல் உள்ளுறைபவர்
772. □□□□□□ — அழிவில்லாதவர்
773. □□□□□□ — (பக்தர்களின்) விருப்பத்தை நிறைவேற்றுபவர்
774. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — உள்ளும் வெளியும் தனித்தனியாக  
இல்லாதவர்
775. □□□□□□□□ — அனைத்திலும் உயிராக உறைபவர்

776. □□□□ — பகுதிகளற்றவர்
777. □□□□□ — (மாயையால்) பல (வடிவமாகத் தோன்றுபவர்)
778. □□□□□□ — ஸரீரத்தில் வீற்றிருக்கும் (ஆத்ம ஸ்வரூபமானவர்)
779. □□□□□□□ — ஸம்ருத்தியுடையவர்
780. □□□□□□ — நிறைவானவர்
781. □□□□□□□□□□□ — இருப்பாக இருப்பவர்
782. □□□□□□□ — பழமை காலமுதலே இருப்பவர்
783. □□□□□□□ — நுகர்வை (ஸத்விஷயத்தில் கட்டுப்படுத்தும்) யோகத்தை அளிப்பவர்
784. □□□□□□□ — யோகத்தையே தன் நுகரும் பொருளாக ஆக்கியவர்
785. □□□□□□□□□ — உலகங்களில் உள்ளுறைபவர்
786. □□□□□□ — (விரும்பத்தக்க ஒரே பொருளாகையால்) வனம் (எனப்படும் ப்ரஹ்மத்தில் ஸஞ்சரிப்பவர்)
787. □□□□□□□□ — (ஸத்கார்யங்களை செய்வதற்கு வேண்டிய) செல்வத்தை உருவாக்குபவர்
788. □□□□□□ — (அத்தகைய) செல்வத்தை (அத்தகைய காரியங்களுக்காக நமக்கு) தருபவர்
789. □□□□ — எங்கும் வ்யாபித்திருப்பவர்
790. □□□□□□ — (பக்தர்களுக்கு அருள) பலவிடங்களில் உறைபவர்
791. □□□□□□□□□ — இறைவனின் ஸ்ருஷ்டியை ரசிப்பவர்
792. □□□□□□□□ — (உலகத்திற்கு க்ஷேமம் ஏற்படும் வகையில் காஞ்சீபுரத்தில்) ஸ்ரீசக்ரத்தை ஸ்தாபித்தவர்
793. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (அங்கு) ஸ்ரீசக்ர பூஜை அர்ச்சனை சம்பிரதாயத்தை செயல்படுத்தியவர்

794. □□□□□□□□□□□□□□□□ — பாம்புகளை அணிகலன்களாக்கிக் கொண்ட (சிவனார்) வடிவினர்
795. □□□□□□□□□□□□□□□□ — (சிவனார் வடிவில்) விஷ்ணுவினால் ஸேவிக்கப்பட்டவர்
796. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — சக்ரவர்த்திகளின் தலையணிகளில் அங்கமான நககாந்தியைக் கொண்டவர்
797. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஏழை அந்தண பெண்மணியின் வீட்டில் உள்ள (மண்) கலயங்கள் அனைத்தும் தங்கமாக்கியவர்
798. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (யுக்தியால்) சாதுர்யமிக்கதும் (கருணையால்) பெருந்தன்மை மிக்கதும் (பொருளினால்) கம்பீரம் மிக்கதுமான வாக்யங்களால் வாதம் செய்பவர்
799. □□□□□□ — பயணித்துக்கொண்டே இருப்பவர்
800. □□□□□□□□□□□□□□□□ — பிறைசூடி வடிவினர்
801. □□□□□□□□□□□□□□□□ — சம்பங்கி (மொட்டை) விட (அழகிய) மூக்கை உடையவர்
802. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — பூமியெங்கும் ஸஞ்சரிக்கும் பலவித மதங்களை மிச்சமின்றி விசாரித்து (பதிலளித்தவர்)
803. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — அத்வைத ஞானத்தை (எங்கும்) ப்ரச்சாரம் செய்தவர்
804. □□□ — (பக்தர்களுக்கு அருள ஆங்காங்கு) ஸஞ்சரித்துக்கொண்டே இருப்பவர்
805. □□□□□□ — பலவித (திறன்கள்) கொண்டவர்
806. □□□□□□□□ — சிதாகாஸ வடிவினர்
807. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஸத்யவ்ரத ஸ்தானம் (எனும் காஞ்சியில்) சுகமாக வெகுகாலம் தங்கியவர்

808. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — மாணவர்களின் ஹ்ருதயத்தில் இருக்கும் சிக்கல்களை சூர்ணமாக்கியவர்
809. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — துஷ்டர்களின் வாய்களை மண்ணைக் கவ்வச் செய்பவர்
810. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஸ்தாபனங்கள் ஏற்படுத்தியவர்களில் தலைச்சிறந்தவர்
811. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — பெரும் புகழை நிலைநிறுத்தியவர்
812. □□□ — பெரிய (பௌத்தர்களான) விஞ்ஞானவாதிகளின் கர்வத்தை முழுவதும் தேய்ப்பதற்காக வந்தவர்
813. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — பூமியில் இருப்போர்கள் அனைவருக்கும் (நித்ய) மகிழ்ச்சியை (அளிக்கவல்ல நன்மையை உபதேசித்தவர்)
814. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — துறவிகளுக்கான தர்மத்தை ஆராய்ந்தவர்/நேராக காட்டியவர்
815. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஆன்மிகத்தின் உண்மையைக் காட்டியவர்
816. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — அறிஞர் கூட்டத்தால் நாடப்பட்டவர்
817. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — நதி, நதம், ஏரி (முதலான) நீர்நிலைகளில் முங்கி நீராடி தூய்மை பெற்ற உடலினர் (உண்மையில் அவற்றை தூய்மைப்படுத்தியவர்)
818. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — (கர்வமுள்ள) பண்டிதர்கள் கூட்டத்தின் பாண்டித்யத்தை கவ்வவல்ல சொற்கள் கொண்டவர்
819. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — தத் பதத்தின் பொருளை பிரகடனப்படுத்தியவர்
820. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — த்வம் பதத்தின் பொருளை விளங்கச் செய்பவர்

821. □□□□□□□□□□ — எப்போதும் ஆனந்தமாக இருப்பவர்
822. □□□□□□□□□ — (சுதந்திரமாய்) எதையும் சாராமல் இருப்பவர்
823. □□□□□□□ — புலன்களுக்கு அப்பாற்பட்டவர்
824. □□□□□□□□□□ — எல்லாவற்றையும் (ஸாக்ஷி பாவத்துடன்) பார்ப்பவர்
825. □□□□□□□□ — அழிவற்ற ஞானம் உடையவர்
826. □□□□□□□□□□□□ — நித்யத்தையே (அடைய வேண்டும் என்ற) ஸங்கல்பம் கொண்டவர்
827. □□□□□□□□ — (மோக்ஷம் எனும்) பொக்கிஷத்தில் நின்றவர்
828. □□□□□□□□□□ — அவித்யை அற்றவர்
829. □□□□□□□□□ — நித்யமாகிய (பரம்பொருளில்) வசிப்பவர்
830. □□□□□□□□□□ — எப்போதும் தூய்மையாக இருப்பவர்
831. □□□□□□□□□□ — பேராசை இல்லாதவர்
832. □□□□□□□□□□ — வேத விரோதிகளை ஒழிப்பவர்
833. □□□□□□□□ — (ஸம்ஸார) தோஷங்கள் அற்றவர்
834. □□□□□□□□□□□ — எப்போதும் வணங்கத்தக்கவர்
835. □□□□□□□□□□□ — எப்போதும் விடுதலையானவர் (ஸம்ஸார பந்தமே இல்லாதவர்)
836. □□□□□□□□□□ — (தனக்கு) தலைவன் இல்லாதவர்
837. □□□□□□□□□□ — (தன்னை) உருவாக்கியவன் அற்றவர்
838. □□□□□□□□□□ — எதையும் சேர்த்துக்கொள்ளாதவர்
839. □□□□□□□□ — தனது என்று ஒன்றுமில்லாதவர்
840. □□□□□□ — தங்கக்காசு (போன்றவர்)
841. □□□□□□□□□□□ — அனைத்தும் வசிக்கும் இருப்பிடமானவர்
842. □□□□□□ — (தேஹமாகிய) கோட்டையில் உறைபவர்



843. □□□□□□□ — (அனைவருக்கும்) முன் செல்பவர்
844. □□□□□□ — புண்யமானவர்
845. □□□□□□□□□ — முன்னோர்களை வணங்குபவர்
846. □□□□□□□□□□ — பலருக்கும் பிரியமானவர்
847. □□□□□□□□□□□□□ — கொண்டாடப்படும் வீரம் மிக்கவர்
848. □□□□□□□□ — வித்யைகளுக்கெல்லாம் அதிபதி
849. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஸ்ரீவித்யையின் ஷோடஸி மந்த்ரத்துக்கு குரு
850. □□□□□□□□ — (அனைவராலும்) அடையாளம் காணப்பெறுபவர்
851. □□□□□□□ — (வேத வாக்யங்களால் நேரடியாக தெரிவிக்கவியலாமல்) மறைமுகமாக தெரிவிக்கப்படுபவர்
852. □□□□□□□□ — (ஸூபமான) அங்க லக்ஷணங்களை உடையவர்
853. □□□□□□□□□ — லக்ஷணங்களை அறிந்தவர்
854. □□□□□□□ — ஒளிரும் ஸ்தானம் கொண்டவர்
855. □□□□□□□□ — அடக்கமானவர்
856. □□□□□□□ — அன்னம் போன்ற (அழகுற) நகருபவர்
857. □□□□ — அன்னம் (போல் நித்யாநித்யங்களை பிரிக்கத்தெரிந்தவர்)
858. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — அன்னம் போன்ற வெண்ணிற இதயத்தாமரை கொண்டவர்
859. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஹம்ஸ என்னும் மந்திரத்தின் தத்துவ பொருளை அறிந்தவர்
860. □□□□□□□□ — ஸூர்யன் போன்ற நிறத்தினர்
861. □□□□□□□□□ — ஹரிக்கு பிரியமானவர்
862. □□□□□□□□□□□□ — மகிழ்ச்சியும் கோபத்தையும் சகித்துக்கொள்பவர்

863. □□□□□□□□ — (உள்ளிருக்கும் ஆனந்தத்தால்) சிரித்துக்கொண்டு சுகமாய் இருப்பவர்
864. □□□□□□□□□□□□□□ — மிகுவது குறைவது (இரண்டையும்) தள்ளிய (பரம்பொருளானவர்)
865. □□□□□ — ஸபையில் முன்னிற்பவர்
866. □□□□□□□ — ஸபைக்கு தலைவர்
867. □□□□□□ — (அனைத்திற்கும்) உரிமையாளர்
868. □□□□□□□□ — (சேவை செய்பவர்களுக்கு அனுக்ரஹமாகிய) நல்ல ஊதியம் அளிப்பவர்
869. □□□□□□□□□ — (மீண்டும் மீண்டும்) பிறப்பதன் (அவசியத்தை) தவிர்ப்பவர்
870. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — விளாமிச்சை வேர் போல் குளிர்ச்சியாகவும் (வாசனையாகவும் உள்ள) மனதைக் கொண்டவர்
871. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — லஜ்ஜையுடவளாகிய (அம்பாளால் ஆனால் தைரியமாக) அபஹரிக்கப்பட்ட (பாதி) உடலைக் கொண்டவர்
872. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — அனைத்து மந்த்ரங்களின் லக்ஷ்ய அர்த்தங்களையும் (அறிந்தவர்)
873. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — லக்ஷம் கோடி ப்ரம்மாண்டங்களுக்கு நாயகன்
874. □□□□□□□□□□ — லளிதமான உடலைக் கொண்டவர்
875. □□□□□□□□ — (பிரம்மத்துடன்) லயத்தை அறிந்தவர்
876. □□□□□□□□ — தன்னை அடைந்தவர்
877. □□□□□□□□□□ — கிடைத்த (தன் சொரூபமான ஆனந்தத்தில்) களித்திருப்பவர்
878. □□□□□□□□□□ — சங்கு போன்ற கழுத்துடையவர்

879. □□□□□□□□ — கலியை துவம்சம் செய்பவர்
880. □□□□□□□□□□ — மங்களங்களில் உள்ளுறைபவர்
881. □□□□□□□□ — அழகிய குரலுடையவர்
882. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — பண்டிதர்களின் கூட்டத்தை அலங்கரிப்பவர்
883. □□□□ — பூமியில் அவதரித்தவர்
884. □□□□□□□□□□□□ — பூமியில் வாழும் தேவர்களால் (அந்தணர்களால்) வணங்கப்பட்டவர்
885. □□□□□□□ — யாகங்களை அறிந்தவர்
886. □□□□□□□ — யோகத்தை அறிந்தவர்
887. □□□□□□ — காரியங்களில் தானே ஈடுபட்டவர்
888. □□□□□ — புகழை அளிப்பவர்
889. □□□□□□□□ — சுய கட்டுப்பாட்டை விரும்புபவர்
890. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஓங்காரம் வியாஹ்ருதிகள் இவற்றில் இருந்து எண்ணங்களை நீக்காதவர்
891. □□□□□□□□□□□□□□□□ — எதிரிக்கூட்டத்தை (வாதில் வென்று) வணங்கச்செய்தவர்
892. □□□□□□□□□□□□□□□□ — நாக பர்வதத்தின் உச்சியில் ஸஞ்சரித்தவர்
893. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ராமகிரி ஆஸ்ரமத்தை ஆஸ்ரயித்தவர்
894. □□□□□□□□□□□□□□□□ — வேண்டிய செல்வத்தைத் தருபவர்
895. □□□□□ — (உலகை தன்னுள் லயமாகும்படி) ஸம்ஹரிப்பவர்
896. □□□□□ — ஏக்கமற்றவர்
897. □□□□□□□□□ — மகிழ்ச்சியில் களித்தவர்

898. □□□□□□□□□□□□□□□□ — யதிகளின் நடத்தையை ஆராய்ந்து அறிந்தவர்
899. □□□□□ — (விசாரங்களில்) புத்தியைக் கட்டுப்படுத்தியவர்
900. □□□□□□□ — (வ்யவஹாரங்களில் மனோ)பாவத்தைக் கட்டுப்படுத்தியவர்
901. □□□□□□□ — ஓங்காரத்தையே (எப்பொழுதும் த்யானத்தில்) கொண்டவர்
902. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — அத்வைதத்தைக் (காட்டும்) வேத (வாக்யங்களையும்) ந்யாயங்களையும் விவரித்தவர்
903. □□□□□□□□□ — கருணைக்களஞ்சியம்
904. □□□□□ — நிர்வஹிப்பவர்
905. □□□□□□ — மனதைக் கட்டுப்படுத்தியவர்
906. □□□□□ — (பக்திக்கு) கட்டுப்படுபவர்
907. □□□□□□□□□ — யஜ்ஞங்களை உறுப்புகளாகக் கொண்டவர்
908. □□□□□□□□□ — யஜ்ஞத்துக்கு ஆபரணம் போன்றவர்
909. □□□□□ — யஜ்ஞ (ஸ்வரூபி)
910. □□□□□□□□□ — யஜ்ஞங்களுக்குத் தலைவர்
911. □□□□□ — யஜமான (ஸ்வரூபியானவர்)
912. □□□□□□□ — யஜ்ஞங்களின் ஆதாரம்
913. □□□□□□□□□ — யஜ்ஞங்களை நடத்துவிப்பவர்
914. □□□□□□□□□□□□□□□□□□ — கருணை கைகொடுத்து தூக்கிவிடுபவர்
915. □□□□□□□□□□□□□□ — விதியை மாற்றவல்லவர்
916. □□□□□□□ — ப்ரஹ்மாண்டத்தை உருவாக்கவல்லவர்
917. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — பூமி முழுதுக்கும் ஆசார்யனானவர்
918. □□□□□□□□□□□□□□ — போலி தத்துவங்களை உடைய மதங்களை கண்டித்தவர்

919. □□□□□□□□□□□□□□□□ — உயர்ந்தவற்றை (தத்துவங்களை) நிலை பெறச்செய்தவர்
920. □□□□□□□□□□□□ — அத்வைதம் என்ற பெரும்பாதையை (வேதத்தின் கருத்தாக) தீர்மானித்தவர்
921. □□□□□□□□□□□□□□□□ — துறவிகளுள் முன்னிற்பவர்
922. □□□□□□□□ — அளவற்ற (உலகை) முன்நடத்துபவர்
923. □□□□□□□□□□□□ — உள்ளுக்குள் உள்ளே (இருப்பவர்)
924. □□□□□□ — (ஸம்ஸாரத் தளைகளிலிருந்து) விடுபட்டவர்
925. □□□□□□□□ — கொண்டாடப்படும் புனிதர்
926. □□□□□□□□ — சார்பில்லாமல் (தீர்ப்பு அளிப்பவர்)
927. □□□□□□ — செருக்கிலிருந்து தூர (விலகியவர்)
928. □□□□□□ — (பக்தர்கள்) மனத்தில் (உள்ள த்யான) வடிவானவர்
929. □□□□□□ — (உலகமே) அடங்கிய (நிலையிலுள்ளவர்)
930. □□□□□□□□ — மங்களம் செய்பவர்
931. □□□□□□ — தூயவர்
932. □□□□ — (தர்மத்தைக் காப்பாற்றுவதில்) சூரர்
933. □□□□□□□□□□□□ — சோகம் சிறிதும் அற்றவர்
934. □□□□□□□□ — துறவி வடிவினர்
935. □□□□□□□□ — (ஞானத்திற்கான) பாதையை செதுக்கியவர்
936. □□□□□□□□ — பொறுமைசாலி
937. □□□□□□□□ — (வாதங்களில்) காயமடையாதவர்
938. □□□□□□□□□□□□ — அக்ஷதைகளுடன் கூடி அர்ச்சனை செய்பவர்/செய்யப்படுபவர்
939. □□□□□□□□□□□□ — அரசர்களுக்கெல்லாம் அரசர்களால் பூஜிக்கப்பட்டவர்

940. □□□□□□□ — ரஸிக்கவைக்கக்கூடியவர்
941. □□□□□□ — ரஸிக்கவைப்பவர்
942. □□□□□□□□□ — ஒளி வீசுபவர்
943. □□□ — மகிழ்பவர்
944. □□□□ — மகிழ்விப்பவர்
945. □□□□□□ — ரஸுவாதம் தெரிந்தவர்
946. □□□□□□□□□□□□□□□□ — வெள்ளி(ப்பனி) மலையில் வசிப்பவர்
947. □□□□□□□ — தூலமாக இல்லாதவர்
948. □□□□□ — அணுவாக இல்லாதவர்
949. □□□□□□□ — (கட்டைவிரல் அளவு) குட்டையான (ஜீவ சொருபமானவர்)
950. □□□□ — மந்த்ர வடிவினர்
951. □□□□ — ஞாபக ஸக்தி வடிவினர்
952. □□□□□□□ — விசாலமான மனம் உடையவர்
953. □□□□□□□ — வெகு தூரம் நடந்து பயணித்தவர் / (விஸ்வரூபத்தில்) பல கால்கள் உடையவர்
954. □□□□□□□ — (விஸ்வரூபத்தில்) பல தோள்கள் உள்ளவர்
955. □□□□□□□□□ — (விஸ்வரூபத்தில்) பல தலைகள் உள்ளவர்
956. □□□□□□□□□ — பலர் அன்புக்கும் உரியவர்
957. □□□□□□□□□□□□□□ — (ஸ்வப்னத்தைப் போல்) உள்பொருளைப் பார்க்காதவர்
958. □□□□□□□□ — (அனைத்துப் பொருள்களையும் ஒருசேர) பார்க்காதவர்
959. □□□□□□□□□□□□□□ — (விழிப்பைப் போல்) வெளிப்பொருளைப் பார்க்காதவர்
960. □□□□□□□□□ — சைதன்யமற்று இல்லாதவர்

961. □□□□□□□□□□ — திரண்ட அறிவு வடிவினர் (அறிவு தவிர வேறெதுவுமில்லாதவர்)
962. □□□□□□□□□□□□ — ஸரீரத்திற்குள் இருந்து விஷயங்களை அறியும் விஞ்ஞான வடிவினர்
963. □□□□□□□□ — (அத்தகைய விஞ்ஞானங்களிலேயே) ஒளிர்பவர்
964. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — பிடித்தது பிடிக்காதது என்னும் உணர்வுகளால் பாதிக்கப்படாதவர்
965. □□□□□ — அழிவில்லாதவர்
966. □□□□□□□□□□□□ — ஆகாஸத்தையே உடலாகக் (கொண்டு உள்ளுறைபவர்)
967. □□□□□□ — நிலம் அல்லாதவர்
968. □□□□ — நீர் அல்லாதவர்
969. □□□□□□□ — நெருப்பு அல்லாதவர்
970. □□□□□□ — வளி (காற்று) அல்லாதவர்
971. □□□□□□□ — வெளி (ஆகாயம்) அல்லாதவர்
972. □□□□□□□□□□ — (கர்ம இந்த்ரியங்களால்) பிடிக்க இயலாதவர்
973. □□□□□□□□□□ — (ஞான இந்த்ரியங்களால்) காண முடியாதவர்
974. □□□□□□□□ — (உண்மையில் எது ஒன்றையும்) கேட்காதவர்
975. □□□□□□□ — (உலக நடப்பில் அனைத்தையும்) கேட்பவர்
976. □□□□□ — (உலக நடப்பில் அனைத்தையும்) செய்பவர்
977. □□□□□□□□ — (உண்மையில் எது ஒன்றையும்) செய்யாதவர்
978. □□□□□□ — (உண்மையில்) மணமற்றவர்
979. □□□□□ — சுவையில்லாதவர்
980. □□□□□ — உருவில்லாதவர்
981. □□□□□□□□ — தொட இயலாதவர்

982. □□□□□□ — ஒலியற்றவர்
983. □□□□□□□□ — (வேத) ஸப்தங்களை (தன்னைத் தெரிவிப்பவையாகக்) கொண்டவர்
984. □□□□□ — (உலக நடப்பில் அனைத்தையும்) நினைப்பவர்
985. □□□□□□ — (உண்மையில் எது ஒன்றையும்) நினைக்காதவர்
986. □□□□□□□□ — (மனம் விஷயங்களை நினைக்கையில் அதற்குள் இருப்பதால்) அதனை ஒட்டி பார்ப்பவர்
987. □□□□□□ — (உலக நடப்பில் அனைத்தையும்) தீர்மானிப்பவர்
988. □□□□□□□ — (உண்மையில் எது ஒன்றையும்) தீர்மானிக்காதவர்
989. □□□□□□□□□□ — (ஆத்மாவை அறிய வேண்டும் என்ற) விழிப்பூட்டுபவர்
990. □□□ — (உண்மையில்) ஒன்றாக உள்ளவர்
991. □□□□□ — (உலக நடப்பில்) பலதாக உள்ளவர்
992. □□□□□□□□□ — (வெளி தொடர்பற்ற) தனி ஆத்மாவானவர்
993. □□□□□ — எல்லாமும் ஆனவர்
994. □□□□□□□□□□ — ஸம்ஸாரத்தில் இருந்து விடுவிப்பவர்
995. □□□□□□□□□□□ — எப்போதும் சுத்தர் ???
996. □□□□□□□□□□□ — எப்போதும் நல்லறிவானவர் ??
997. □□□□□□□□□□□ — எப்போதும் முக்தர் ஆனவர் ?
998. □□□□□□□□□ — (தனக்கு) புகலிடம் (தேவை) இல்லாதவர்
999. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — ஹ்ருதயத்தில் உள்ள அவித்யை என்னும் இருளை வெட்டுபவர்
1000. □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□ — பக்தர்களின் இதயத் தாமரையில் சூரியனானவர்

